RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

वर्ष- 13, अंक - 241

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, शनिवार 18 जून 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित 4 माह के सिद्धार्थ का इलाज कराएगी छत्तीसगढ़ सरकार

- मुख्यमंत्री को किए एक ट्वीट से मासूम सिद्धार्थ को मिली तत्काल मदद
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशील पहल
- सिद्धार्थ के पिता रतनलाल यादव के ट्वीट पर तुरंत लिया एक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का संवेदनशीलता आज उस वक्त एक बार फिर से देखने और सुनने को मिली, जब उन्होंने अपने ट्वीटर एकाउंट पर एक गरीब पिता की फरियाद पर दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित 4 माह के उनके बेटे सिद्धार्थ का छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से इलाज कराए जाने की पहल की। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल आवश्यक प्रबंध के भी निर्देश दिए।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ट्वीटर अकाउंट पर सिद्धार्थ के पिता रतनलाल यादव ने लिखा कि 'सर मेरा बच्चा महज चार माह का है और दिल की बीमारी से पीड़ित है। बच्चे की सर्जरी हैदराबाद में होगी। मैं बहुत ही गरीब परिवार से हूं सर कृपा कर मेरी मदद करें। मुख्यमंत्री के ट्वीटर अकाउंट पर जैसे ही यह सूचना मिली मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थ के पिता को तुरंत ट्वीटर पर जवाब दिया कि बच्चे के इलाज की जिम्मेदारी अब छत्तीसगढ़ सरकार की है। आप निश्चित रहें। वर्तमान और भविष्य दोनों सुरक्षित हो इसके लिए हम सब प्रतिबद्ध है।

रतनलाल यादव बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड पलारी के गांव गबोद

के रहने वाले है। रतनलाल के बेटे सिद्धार्थ को दिल की बीमारी की वजह से जिला चिकित्सालय में हाल ही में भर्ती कराया गया था। वह अपने बेटे के इलाज के लिए नया रायपुर स्थित श्री सत्य सांई हास्पीटल भी ले जा चुके है। जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सिद्धार्थ के चेकअप के बाद उन्हें बेटे के दिल का ऑपरेशन हैदराबाद में कराये जाने की सलाह दी है। रतनलाल यादव आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है वह रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन करते है। बेटे के इलाज के लिए बेबस रतनलाल ने अंतत: मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ट्वीटर अकाउंट पर अपनी बेटे की गंभीर स्थिति और आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए मदद का आग्रह किया। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने उन्हें ट्वीट संदेश भेज कर उन्हें आश्वस्त किया कि सिद्धार्थ के इलाज को लेकर आपको चिंतित होने की जरूरत नहीं है। रतनलाल यादव ने मुख्यमंत्री बघेल की संवेदनशीलता और उनकी पहल पर खुशी जाहिर कर कहा कि मुख्यमंत्री जी ने एक परिवार की मुखिया की तरह आगे बढ़कर मदद का भरोसा दिलाया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का अपने और अपने परिवार की ओर से कोटिश: आभार जताया है।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने निवास कार्यालय में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी वीरता, साहस और देशभक्ति को नमन किया। उन्होंने कहा कि झांसी की रानी सच्चे अर्थों में वीरांगना थी, जिन्होंने मातृ भूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई शौर्य और नारी शक्ति की मिसाल हैं, उनका व्यक्तित्व केवल महिलाओं के लिए ही नहीं पूरे समाज तथा देश के लिए प्रेरणा स्रोत है।

'अग्निपथ' की आग में 200 करोड़ की संपत्ति और ट्रेन की 50 बोगियां जलकर हुईं खाक

बिहार (एजेंसी)। 'अग्निपथ' सैन्य भर्ती योजना के खिलाफ बिहार में हिंसक विरोध-प्रदर्शन के चलते 200 करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। रेलवे के सीनियर अधिकारी ने बताया कि शनिवार को 50 कोच और पांच इंजन पूरी तरह से जलकर खाक हो गए। दानापुर रेल डिवीजन के डिवीजनल मैनेजर प्रभात कुमार ने कहा कि प्लेटफॉर्म, कंप्यूटर सिस्टम और अन्य तकनीकी उपकरण भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। दरअसल, सैकड़ों लोगों ने इस योजना को वापस लेने की मांग के लिए ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों को जला दिया और तोड़फोड़ की। जहानाबाद में आज फिर प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने बसों और ट्रकों में आग लगा दी। फिलहाल इस स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कई जिलों में धारा 144 लगाई गई है। साथ ही इंटरनेट भी बंद करने का फैसला किया गया है।

केंद्र सरकार ने इससे पहले अग्निवीरों के भविष्य को लेकर कई तरह के आश्वासन दिए। सरकार ने कहा था कि जहां अग्निपथ स्कीम में शामिल होने वाले युवाओं में 25 फीसदी चार साल बाद सीधे सेना का हिस्सा बन जाएंगे, वहीं बाकियों को अन्य भर्तियों में प्राथमिकता मिलेगी। भाजपा शासित राज्यों जैसे असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा ने एलान किया था कि वे राज्य पुलिस भर्ती में अग्निवीरों को प्राथमिकता देंगे।

सीएम भूपेश ने साधा निशाना, बोले- चार साल बाद जब युवा बेरोजगार होकर लौटेंगे, तो क्या होगा?, पुलिस और सेना दो अलग-अलग पेशा

फौजी सिर्फ दो चीजें जानता है-दोस्त और दुश्मन-बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'अग्निपथ' योजना पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि 4 साल बाद जब 22-23 साल का लड़का वापस अपने घर लौटेगा और बेरोजगार होगा तो क्या होगा? क्या इतने लोगों को पुलिस में भर्ती करेंगे। जो भर्ती हो गया वो ठीक और जो नहीं हुआ वो, उनको तो बंदूक चलाना आ गया है। इस प्रकार आप उन्हें आधा अधूरा छोड़ देंगे तो वे गिरोह बनाकर आपराधिक घटनाओं में भी शामिल हो सकते हैं।

दरअसल, केंद्र सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए सेना के तीनों अंगों में सैनिकों की भर्ती संबंधी 'अग्निपथ' योजना का एलान किया था। इसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी।

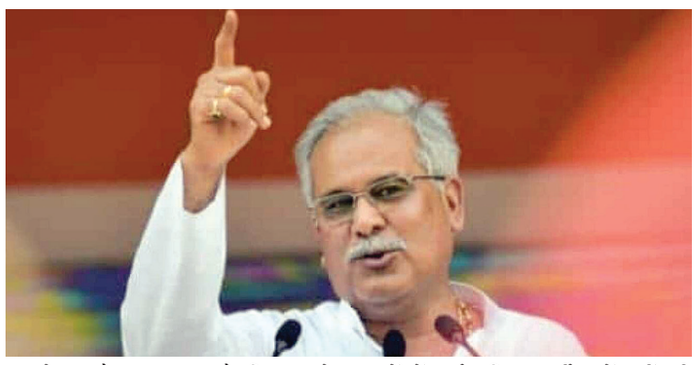

योजना के तहत चयन के लिए पहले पात्रता आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच तय की गई थी। इसके बाद सरकार ने ऊपरी आयु सीमा को केवल इस साल के लिए 21 से बढ़ाकर 23 साल करने का फैसला किया था। भर्ती के बाद सेना में शामिल युवाओं को 'अग्निवीर' नाम दिया जाएगा।

इस पर बघेल ने कहा कि सशस्त्र बलों में पूर्णकालिक भर्ती क्यों नहीं की जा रही है? क्या आप यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे देश की रक्षा करने वाली सेना में भर्ती के लिए आपके पास पैसे नहीं हैं। देश की सेवा करने की भावना के साथ युवा सशस्त्र बलों में शामिल होते हैं। आप उनके भविष्य और देश की सीमाओं के साथ क्यों खिलवाड़ कर रहे हैं? एक तरफ आप देश की संपत्ति बेच रहे हैं और दूसरी तरफआपके पास सेना में भर्ती के लिए पैसे नहीं हैं। आपको इस स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

उन्होंने भाजपा शासित राज्यों की भी आलोचना की, जिन्होंने पुलिस भर्ती और संबंधित सेवाओं में 'अग्निवीर' को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सेना और पुलिस दो अलग-अलग पेशे हैं। पुलिस कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए है जबकि सेना रक्षा के लिए है। एक फौजी सिर्फदो चीजें जानता है - दोस्त और दुश्मन। दुश्मन सामने दिखे तब उसे खत्म करना है। उसे दुश्मन से युध्द करना है, उससे लड़ाई करना है। पुलिस को मुख्य रूप से कानून और व्यवस्था बनाए रखने का काम सौंपा जाता है और इसे इससे नहीं जोड़ा जा सकता है। दोनों के प्रशिक्षण अलग-अलग हैं। फिर आप गुमराह करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं।

खाद्यमंत्री अमरजीत भगत की तबीयत बिगड़ी, मिशन अस्पताल में भर्ती 2 चिकित्सक कर रहे निगरानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की तबीयत अचानक बिगड़ गई। देर रात उन्हें अंबिकापुर के मिशन अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। भगत डॉक्टरों की निगरानी में है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है। खाद्यमंत्री अमरजीत भगत अपने गृह जिले सरगुजा में सामान्य कार्यक्रमों में शामिल हो रहे थे। बुधवार एवं गुरुवार को उनका व्यस्त कार्यक्रम था। बुधवार को वे आषाढ़स्य प्रथम दिवसे के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

मंत्री भगत ने गुरुवार को शाला प्रवेशोत्सव के दौरान बच्चों को यूनिफॉर्म बांटी। इस दौरान शाम होते-होते उन्हें कमजोरी और थकान की दिक्कत हुई तो एक चिकित्सक से उन्होंने दवाएं ली थीं और अपने घर पर आराम कर रहे थे। बताया गया है कि देर रात लगभग 2 बजे उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें मिशन अस्पताल में दाखिल कराया गया। मिशन अस्पताल में 2 चिकित्सक उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। मंत्री अमरजीत भगत के अस्पताल में दाखिल होने की सूचना पर शुक्रवार सुबह मिशन अस्पताल में समर्थकों एवं शुभचिंतकों की भीड़ लग गई।

स्वास्थ्य स्थिर, सरगुजा कलेक्टर अस्पताल पहुंचे

सरगुजा कलेक्टर संजीव कुमार झा भी अधिकारियों के साथ मंत्री भगत से मिलने मिशन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से मंत्री के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इधर मिशन अस्पताल प्रबंधन के अनुसार मंत्री अमरजीत भगत लगातार गर्मी एवं उमस भरे माहौल में लगातार दौरे के कारण डीहाईड्रेशन एवं डायरिया से पीड़ित हो गए हैं। चिकित्सक उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। इसके पूर्व खैरागढ़ उपचुनाव में प्रचार के दौरान खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें खैरागढ़ से रायपुर लाया गया था। वे डीहाईड्रेशन के शिकार हो गए थे।

सरकार का एलान- ट्रेनिंग पूरी करने के बाद अग्निवीरों के लिए सीएपीएफ-असम राइफल्स में 10 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को एलान किया कि वह सेना में अग्निपथ स्कीम के तहत चुने गए युवाओं को चार साल पूरे करने के बाद सीएपीएफ और असम राइफल्स जैसे बलों में 10 फीसदी आरक्षण देगा। गृह मंत्रालय की तरफ से ट्वीट में कहा गया है कि अग्निवीरों को इन दोनों केंद्रीय बलों में भर्ती के लिए उम्र की अधिकतम सीमा से भी तीन साल ज्यादा तक की छूट मिलेगी। वहीं, अग्निवीरों के पहले बैच के लिए यह छूट पांच साल की होगी।

सरकार की तरफ से यह एलान ऐसे समय में आया है, जब पूरे देश में अग्निपथ स्कीम को लेकर युवा सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार के

असम और त्रिपुरा में बाढ़ से हाहाकार, अब तक 55 लोगों की मौत, 19 लाख लोग हुए प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम और त्रिपुरा में बाढ़ से स्थिति भयावह हो गई है। अब तक इस जानलेवा बाढ़ से 55 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को फोन कर राज्य में बाढ़ की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मोदी ने बाढ़ से प्रभावित लोगों को हो रही कठिनाइयों पर चिंता भी जताई। बता दें कि असम के 28 जिलों में इस साल 18.95 लाख से अधिक लोग बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में राज्य में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है।

बाढ़ के दौरान असम के होजई जिले में

बाढ़ प्रभावित लोगों को ले जा रही एक नौका पलट गई, जिससे उसमें सवार तीन बच्चे लापता हो गए, जबकि 21 अन्य लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार 24 ग्रामीणों का एक समूह शुक्रवार देर रात इस्लामपुर गांव से सुरक्षित स्थान की ओर बढ़ रहा था, तभी रायकोटा इलाके में उनकी नौका पानी में डूबे एक ईंट-भट्टे से टकरा जाने के कारण पलट गई।

कोपिली नदी ने बड़े भूभाग में पानी भर दिया है और जिले में 55,150 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जो इस साल की शुरुआत में बाढ़ की पहली लहर में भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था। जिले के 47 राहत शिविरों में कुल 29,745 लोगों ने शरण ली है। वहीं पश्चिम त्रिपुरा जिले के सदर अनुमंडल में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 2,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने 20 राहत शिविरों में शरण ली है। हालांकि, अभी तक किसी के मारे जाने की खबर नहीं है।

सत्येंद्र जैन को एक और झटका, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत ने खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने दिल्ली के स्वास्थ्य व गृह मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी है। 9 जून को दाखिल की गई जैन की जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई थी। इस दौरान ईडी की तरफसे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसबी राजू और सत्येंद्र जैन की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरिहरन ने पक्ष रखा था। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने जैन को 30 मई को गिरफ्तार किया था। इससे पहले अप्रैल महीने में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के तहत जैन के परिवार और कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क की थी। इसमें अकिंचन डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य कंपनियों की संपत्तियां शामिल थीं।

नवा रायपुर के विस्थापितों को लालटेन

दीपक रंजन दास

लालटेन एक लंबे समय तक गांव तो क्या शहरों के लिए भी रोशनी का एकमात्र स्रोत रहा है। बिजली की बत्तियां आईं तो लालटेन इतिहास बनने की बजाय मुहावरा बन गया। अब लालटेन दिखाने का मतलब भरमाना या बेवकूफ बनाना भी होता है। ज्योतिषियों के अनुसार सपने में लालटेन जलते देखने का मतलब है चलते काम में रोड़े का अटकना। जो व्यक्ति सपने में जलते लालटेन को देखता है उसका चलता हुआ काम धंधा अचानक रुक जाता है। यही लालटेन नवा रायपुर के विस्थापितों को कष्ट दे रहा है। 2008 में 237.42 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में नवा रायपुर का निर्माण प्रारंभ हुआ। इसके लिए 41 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया गया। कुछ लोगों की जमीनें प्रशासनिक बल से छीन ली गईं। विस्थापितों को शानदार व्यवस्थान, रोजगार का अवसर देने से लेकर गांव में स्कूल, कालेज और अस्पताल बनवाने तक का आश्वासन दिया गया। आवासीय पट्टा, दुकान, गुमटी, पसरा के लिए चबूतरा बनवाने की बात भी कही गई। पर न तो शहर बसा और न यहां धंधे की कोई सूरत बनी। शाम ढलते ही नवा रायपुर की वीरान सड़कें और आलीशन इमारतों के स्याह साए भुतहा माहौल बना देते हैं। विस्थापन पीड़ित चार दिन की पदयात्रा कर 112 किलोमीटर दूर बिलासपुर हाईकोर्ट भी गए। 97 मामले आज तक लंबित हैं। यही बदहाल किसान पिछले 168 दिनों से धरने पर हैं। पुलिस इन्हें खदेड़ने की दो बार कोशिश कर चुकी है पर हर बार ये नई जगह ढूंढ लेते हैं। यहां की कमान कभी आरएसएस के कार्यकर्ता रहे रूपन चंद्राकर संभाल रहे हैं। वे सिर पर कफन का साफा बांधते हैं। इन्हें किसान नेता राकेश टिकैत का भी समर्थन हासिल है जो ट्वीट करते रहते हैं। भूपेश सरकार ने फरवरी 2022 से किसानों से बातचीत शुरू की। 15 सूत्रीय मांगों को 8 सूत्रीय बनाने के बाद 6 मांगों पर सहमति भी बनी। पर किसान आश्वस्त नहीं हो पा रहे हैं। लालटेन दिखाने का यह खेल बहुत पुराना है। 1956 में ओड़ीशा में हीराकुंड बांध बना था। इसके विस्थापित आज तक भटक रहे हैं। कई परिवारों की तो दो-तीन पीढ़ियां निपट चुकीं। छत्तीसगढ़ के कोयलांचल के विस्थापित भी धीरे-धीरे गुम हो गए। दरअसल धरना, प्रदर्शन और भूख हड़ताल का आधुनिक भारत की सरकारों पर कोई असर नहीं होता। ये कोई अंग्रेज थोड़े ही हैं जो डर जाएंगे। ये तो अपने ही लोग हैं और खूब जानते हैं कि ऐसे आंदोलन की कुल औकात कितनी है। विस्थापित कोई सड़क पर थोड़े ही पड़े हैं जो मर-खप जाएंगे। घर-बार छोड़कर कोई कितने दिन इस तरह पंडालों में पड़ा रह सकता है। मौजूदा सरकार इसलिए भी कम्फर्ट जोन में है कि इस मामले में विपक्षी भाजपा उसे नहीं घेर सकती क्योंकि समस्या खुद उसके कार्यकाल की है। भाजपा सरकार 10 साल तक इस समस्या पर बैठी रही है। नई सरकार की उम्र अभी फकत साढ़े तीन साल है। दूधभात तो बनता है भई!

संपादकीय

सतर्कता का लाभ

दो जुमे से तनाव बना हुआ था, लेकिन तीसरे जुमे पर जो शांति दिखी है, वह स्वागतयोग्य है। उपद्रव किसी भी सूरत में सही नहीं और उसका किसी भी प्रकार से बचाव नहीं करना चाहिए। खासतौर पर पिछले जुमे अर्थात 10 जून को जिस तरह से लगभग आधा दर्जन जगहों पर नमाज के बाद पत्थरबाजी हुई, उससे न सिर्फ समाज दागदार हुआ, प्रशासन पर भी प्रश्नचिह्न लग गए। 10 जून की हिंसा के बाद पुलिस पर खूब सवाल उठे, हालांकि, कई जगह पुलिस ने शांति के उपाय किए थे, तब भी हिंसक घटनाएं देखने में आई थीं। लेकिन इस बार कोई कोताही न बरतते हुए जमीन से आसमान तक निगरानी के इंतजाम किए गए थे, शांति के लिए जगह-जगह बैठकों का आयोजन किया गया था और धर्मगुरुओं को भी पहले ही आगाह कर दिया गया था। नतीजा सामने है, बहुत शांतिपूर्वक नमाज संपन्न हुई और उन मस्जिदों में भी अमन-चैन की चिंता की गई है, जहां से हिंसा की आशंका जताई जा रही थी।

> अग्निपथ योजना का जिस तरह विरोध हो रहा है, उसे भी थामने के लिए प्रशासन को पूरी कुशलता का परिचय देना चाहिए। अब समय आ गया है, जब शासन और प्रशासन को प्राथमिकता के साथ हर स्तर पर कानून-व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करनी चाहिए। बेशक, शांति व्यवस्था हर नागरिक का भी कर्तव्य है। ध्यान रहे, चंद लोग ही चिंता का कारण हैं, जरूरी है, हम उन पर नजर रखें।

वास्तव में, विवादास्पद बयानों के समय प्रशासन को स्वयं सतर्क रहना चाहिए। न सिर्फ गलत बयानबाजी को रोकना, बल्कि उसे भविष्य के लिए हतोत्साहित करना जरूरी है। गलतबयानी या गलत व्यवहार को अगर मुस्तैदी से दंडित किया जाए, तो उपद्रव के हालात से बचा जा सकता है। नुपुर-रहमानी प्रकरण में यही हुआ है, समय रहते सजगता नहीं बरती गई है। मामले को बढ़ने और मुस्लिमों देशों तक पहुंचने दिया गया और जब मुस्लिम देशों से सहानुभूति मिली है, तब चंद अराजक तत्वों ने सिर उठा लिया। विरोध से किसी को गुरेज नहीं, पर शांतिपूर्ण विरोध के बजाय हिंसा पर उतर आना और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने की कोशिश करना नाकाबिले बर्दाश्त है। धर्म कतई हिंसा या किसी का अपमान करना नहीं सिखाता, लेकिन जब हम पूरी कड़ाई नहीं बरतते हैं, जब हम किसी को भी कुछ भी बोलने या करने देते हैं, तो समस्याएं पैदा होती हैं। हम जिस दौर से गुजर रहे हैं, उसमें प्रशासन के पास चप्पे-चप्पे की सूचना होनी चाहिए। लोगों की नाराजगी की परख प्रशासन में होनी चाहिए। आपराधिक तत्व अगर प्रशासन के रडार से बाहर हैं, तो इसका मतलब है, खुफ्फिया तंत्र नाकाम हो चुका है। दिल्ली से लेकर प्रयागराज तक हिंसा की तैयारी होती है, पत्थर और पत्थरबाज जुटाए जाते हैं, लेकिन पुलिस समय रहते जागने में चूक कर देती है।

खासकर उत्तर प्रदेश की पुलिस ने इस बार जिस तैयारी का परिचय दिया है, वह अनुकरणीय है। संवेदनशील शहरों में नमाज से पहले गश्त की गई। रैपिड एक्शन फोर्स की टुकड़ियों को सक्रिय किया गया। भड़काने वाले धर्मगुरुओं को कुछ समय के लिए नजरबंद करने की भी खबर है। ड्रोन के जरिये भी निगरानी रखी गई है। कुछ जगह जैमर का प्रयोग हुआ है, ताकि जरूरत पड़ते ही संचार पर शिकंजा कसा जा सके। आज जिस पैमाने पर संचार के माध्यमों का दुरुपयोग हो रहा है, पुलिस को सतर्क रहना ही होगा। सतर्क पुलिस ही किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन के समय कारगर साबित हो सकती है। ध्यान रहे, अग्निपथ योजना का जिस तरह विरोध हो रहा है, उसे भी थामने के लिए प्रशासन को पूरी कुशलता का परिचय देना चाहिए। अब समय आ गया है, जब शासन और प्रशासन को प्राथमिकता के साथ हर स्तर पर कानून-व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करनी चाहिए। बेशक, शांति व्यवस्था हर नागरिक का भी कर्तव्य है। ध्यान रहे, चंद लोगों ही चिंता का कारण हैं, जरूरी है, हम उन पर नजर रखें।

पर्यावरण की फिक्र किसे!

पर्यावरणीय प्रदर्शन इंडेक्स (ईपीआई) में भारत 180 देशों की सूची में आखिरी 180वें स्थान पर है। ईपीआई को तैयार करने के लिए संबंधित संस्थाओं ने 40 परफॉरमेंस इंडिकेटर्स का अध्ययन किया है। इन संकेतकों को 11 श्रेणियों में बांटा गया है।

भारत सरकार ने भले इस पर एतराज किया हो, लेकिन उसकी नीति से परिचित किसी व्यक्ति को इस हफ्ते आई इस खबर से शायद ही आश्चर्य हुआ होगा कि पर्यावरणीय प्रदर्शन इंडेक्स (ईपीआई) में भारत सबसे निचले पायदान पर आया। अमेरिका स्थित येल सेंटर फॉर एनवॉरमेंटल लॉ एंड पॉलिसी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर इंटरनेशनल अर्थ साइंस इंफॉर्मेशन नेटवर्क ने अपने साझा अध्ययन के आधार पर ये सूचकांक तैयार किया। इसमें 180 देशों में पर्यावरण संरक्षण की स्थिति पर गौर किया गया। इस सूची में भारत को 180वें स्थान पर रखा गया। अब भारत की मौजूदा सरकार के समर्थक चाहें, तो इसे देश के खिलाफ एक और साजिश बता सकते हैं। लेकिन हमेशा दूसरों की नजर में खोट निकालने के नजरिए से उबर कर वे देखें, तो उन्हें भी यह समझने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी कि आखिर भारत की इतनी खराब छवि क्यों उभरी। गौरतलब यह है कि ईपीआई को तैयार करने के लिए संबंधित संस्थाओं ने 40 परफॉरमेंस इंडिकेटर्स का अध्ययन किया है। इन संकेतकों को 11 श्रेणियों में बांटा गया है।

इन श्रेणियों में जलवायु परिवर्तन परफॉरमेंस, एनवायरमेंटल हेल्थ और इकोसिस्टम वाइटिलिटी शामिल हैं। इन संकेतकों से जाहिर होता है कि कोई देश पर्यावरण के लिए तय नीतिगत लक्ष्यों से अभी कितनी दूर है। अब बेहतर यह होगा कि इन श्रेणियों और संकेतकों के आधार पर खुद भारत की स्थिति की समीक्षा कर ली जाए। और फिर यह याद किया जाए कि वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद किस तरह पर्यावरण संरक्षण संबंधी कानूनों की धज्जियां उड़ाई हैं।

> यह सब उस सिलसिले की निरंतरता से है, जिसमें पत्थर के पाषाण हथियार, तीर-धनुष, भाला, गदा, लाठी और तलवार, मिसाइल क्रमशः शक्ति के बदलते हुए रूप हैं। इन्हीं को हाथ में लिए फिर लोगों की, समाज की भीड़ का सेनाओं में बदलने का विकास हुआ! सब किसलिए? भूख, भय और जीव जगत (बाद में मानव जगत में व्यक्ति, संस्कृति की श्रेष्ठता का ख्याल) में अलग और खास होने के अहंकार में!

पत्थर, लाठी, पॉवर!

हरिशंकर व्यास

पत्थर, मनुष्य का वह पहला हथियार था, जिससे वह पशु जगत का स्वामी बना। ज्पत्थर ने मनुष्य की भूख बढ़ाई। आधुनिक वक्त में भी मनुष्य वंशज 'पॉवर' (पत्थर, लाठी) की भूख में मरे जा रहे हैं। हर मनुष्य लाठी और पॉवर का आकांक्षी है, भूखा है।ज्कई मायनों में पत्थर और उसकी ताकत मानव सभ्यता के निर्माण और विकास का आदि व अंत दोनों है। पत्थर के बाद तीर-कमान, भाले, लाठी, तलवार, तोप, मिसाइल का विकासवाद यदि मनुष्य खोपड़ी के दिमाग की उड़ान है तो वैसा होना जहां मनुष्य डीएनए के हिंसक रनवे से उड़ान का टेकऑफ है वहीं घूम-फिर कर डिपार्चर रनवे (पशुगत डीएनए) पर ही बार-बार लौट आना भी है।

प्रलय का मुहाना -24 पत्थर मतलब मनुष्य का पहला औजार! पहला मनुष्य हथियार। वह पत्थर अब पॉवर है! पाषाण युग में मनुष्य ने पत्थर से जंगल में विजय पाई थी। उससे जानवर डरने-मरने लगे। अब आधुनिक युग है और मनुष्य 'पॉवर' से मनुष्यों को डराता और मारता है। मनुष्यों को पिंजरों का पालतू बनाता है। सवाल है मनुष्य पत्थर पाकर हिंसक हुआ या खोपड़ी के हिंसक डीएनए की जरूरत ने पत्थर खोजा? इसका जवाब दो टूक है। शरीर की जैविक रचना में हिंसा मनुष्य का स्वभाव है। इंसान का शरीर हिंसा अनुकूल है! उसके हाथ की मुट्ठी भी ऐसी है कि उस जैसे मुक्के मारना किसी और जानवर के बस की बात नहीं है। वैज्ञानिकों की मानें तो आदमी का चेहरा मुक्केबाजी के लिए है। ऐसे ही मनुष्य के खड़े होने की पोजिशन उसके लड़ाका शरीर का प्रमाण है। मतलब पुरूष का शरीर हिंसा और आक्रामकता की डिजाइन में है। तभी थ्योरी है कि मनुष्य जैविक रूप से हिंसा की मशीन है। हिंसा के लिए ही मानव जाति विकसित है। विचारक थॉमस हॉब्स का 17वीं शताब्दी में निष्कर्ष था कि मनुष्य प्रारंभिक प्राकृतिक स्थिति में 'बुरा, क्रूर और टुच्चा' प्राणी था। हिंसा ने मनुष्य प्रजातियों को ढाला है। उनके शरीर और दिमाग को उकेरा है।

जो हो, पत्थर मनुष्य हिंसा का, 'सरवाइवल ऑफ द फिटेस्ट' की परीक्षा का पहला साधन था। जंगल में भय, भूख को दूर करने की उसकी पहली खोज थी। उस नाते मानव सभ्यता के मनोविश्व की यह स्थिति स्थायी और सनातनी है कि मनुष्य तब भी भूखा था अब भी भूखा है। वह तब भी भय में जीता था और अब भी भय में जीता है। वह तब भी नरभक्षी था और अब भी है! तब कम अनुपात में मनुष्य एक-दूसरे को मारते थे अब थोक, जनसंहार, महायुद्धों में एक-दूसरे को मारते हैं! तब और अब में आकार-प्रकार और अनुपात में फर्क है लेकिन जो भी है वह होमो सेपियन के ढाई लाख सालों से चले आ रहे जीवसूत्रों (डीएनए) की निरंतरता में है।

आदि और अंत

पत्थर, मनुष्य का वह पहला हथियार था जिससे वह पशु जगत का स्वामी बना। जीव जगत में तब वह खास हुआ। उसमें पॉवर का अहम बनना शुरू हुआ। वह अपने को

श्रेष्ठ समझने लगा। तब के वनमानुष पत्थर की ताकत पा कर और हिंसक हुए। वे पत्थर की ताकत से 'सरवाइवल ऑफ द फिटेस्ट' की परीक्षा देने लगे। जिसके पास अधिक पत्थर और जो पत्थर उपयोग में अधिक माहिर वह विजेता। जो जीता उसके स्वामित्व में फिर पराजित बाड़े के लोग, औरतें-बच्चे! धीरे-धीरे तेरे-मेरे, मैं मालिक, मैं मुखिया और अहम के आइडिया की विभिन्नताएं पत्थर की ताकत से बनती हुईं!

कई मायनों में पत्थर और उसकी ताकत मानव सभ्यता के निर्माण और विकास का आदि व अंत दोनों है। पत्थर के बाद तीर-कमान, भाले, लाठी, तलवार, तोप, मिसाइल का विकासवाद यदि खोपड़ी के दिमाग की उड़ान है तो वैसा होना जहां मनुष्य डीएनए के हिंसक रनवे से उड़ान का टेकऑफ है वहीं घूम-फिर कर डिपार्चर रनवे (पशुगत डीएनए) पर ही उसका बार-बार लौट आना भी है।

तभी ताकत ने मनुष्य का अहंकार लगातार बढ़ाया। विवेक के बावजूद अवचेतन में अविवेक एक्टिव रहा। मनुष्य दूसरे मनुष्य को मार कर, दुखी करके, उसे गुलाम या भक्त बना कर खुश होता है। विजय का जश्न मनाता है। अपना स्वामित्व बढ़ाता है। वह अपने को और पॉवरफुल बनाता है। पत्थर ने भूख बढ़ाई और उसका वंशज पॉवर भी आधुनिक काल में भूख बढ़ाते हुए हैं। हर मनुष्य ताकत और पॉवर का आकांक्षी है, भूखा है। अमेरिका पॉवर से पॉवरफुल है तो अमीर धन से पॉवरफुल! ऐसे ही सभ्यता, देश, शासक सब पॉवर के टॉनिक से पॉवरफुल बने हुए होने के अहम में जीते हैं! और यह सब उस सिलसिले की निरंतरता से है, जिसमें पत्थर के पाषाण हथियार, तीर-धनुष, भाला, गदा, लाठी और तलवार, मिसाइल क्रमश: शक्ति के बदलते हुए रूप हैं। इन्हीं को हाथ में लिए फिर लोगों की, समाज की भीड़ का सेनाओं में बदलने का विकास हुआ!

सब किसलिए? भूख, भय और जीव जगत (बाद में मानव जगत में व्यक्ति, संस्कृति की श्रेष्ठता का ख्याल) में अलग और खास होने के अहंकार में! हां, पाषाण युग से लेकर इक्कीसवीं सदी का आधुनिक युग कुल मिलाकर भूख, भय और अहम तीनों के सुरसा की तरह बढ़ते जाने का अनुभव है। कई विचारकों का इस आधार पर पॉजिटिव भाव में मानना है कि इसी के कारण विकास हुआ। ताकत के हर औजार, प्रयोग से मानव समाज ज्ञान-विज्ञान-तकनीक खोजता गया!

अमनपरस्त या हिंसक?

बहरहाल, आठ अरब लोगों और 195 देशों की मौजूदा रियलिटी का रेखांकित सत्य है कि सब पत्थर-लाठी-पॉवर की उस चकरी पर घूमते हुए हैं, जो बिना मंजिल के है। मनुष्य ने पत्थर, तीर-कमान से पशु जगत को जीता। वह ताकत से पशुपालक हुआ। खेती करना सीखा। अपने-अपने बाड़े बनाए। संस्कृतियां बनाईं। धर्म-संस्कृति-राष्ट्र बनाए। बावजूद इस सबके उसे तलवार और तोप की निरंतर जरूरत बनी रही! क्यों?

हिंसक शरीर और दिमाग के कारण! अब ऐसा सभी विज्ञानियों और देवर्षियों का नहीं मानना है। आधुनिक दुनिया के वैश्विक विचारक, अनुभवों के सत्य के बावजूद मानते हैं कि मानव समाज शांति से रह सकता है। जैविक डीएनए की निराशावादी रियलिटी से परे मानवता सभ्य और शांतिपूर्ण भविष्य बना सकती है। 1986 में न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डेविड एडम्स की पहल पर जीव विज्ञानियों, मनोवैज्ञानिकों और न्यूरोसाइंटिस्टों के बीस ज्ञानियों ने मनुष्य हिंसा पर 'सेविले स्टेटमेंट' से घोषणा की थी कि मनुष्य आनुवंशिक रूप से स्वभाव में युद्ध, या हिंसक क्रमादेशित नहीं है। इस बयान को बाद में यूनेस्को ने अपना कर अंतरराष्ट्रीय सहयोग और शांति को बढ़ावा देने के मिशन में ऐलान किया था कि शांति एक यथार्थवादी लक्ष्य है।

प्रवेश परीक्षा से कमजोर वर्ग के बच्चों को होगा नुकसान

विद्या महांबारे, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, जीएलआईएम

हाई स्कूल के अंतिम वर्ष (कक्षा 12) के विद्यार्थियों के लिए पिछले दिनों एक उल्लेखनीय बदलाव किया गया। नई शिक्षा नीति, 2020 के तहत देश के 53 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अंतर-स्नातक में दाखिले के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा 'सीयूईटी' आयोजित करने का फैसला लिया गया, जिसके तहत दाखिले की प्रक्रिया अभी जारी है। इस इम्तिहान का मकसद सभी बच्चों को उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए समान अवसर मुहैया कराना है। चूंकि अच्छे कॉलेज में दाखिले की राह इस परीक्षा में आने वाले अंक तय करेंगे, इसलिए इसमें यह मायने रखेगा कि मां-बाप अपने बच्चों को तैयार करने के लिए किस हद तक उनकी अच्छी पढ़ाई-लिखाई कराते हैं।

सवाल यह है कि भारत में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और निजी ट्यूशन के माध्यम से अतिरिक्त शैक्षणिक मदद की आवश्यकता के संदर्भ में हमारा अनुभव क्या कहता है? इसे राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75वें दौर के आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं। इसमें 2017-18 में छह से 18 वर्ष के 1,09,595 स्कूली छात्रों का सर्वे किया गया था। इसके मुताबिक, शहरों में सिर्फ 35 फीसदी बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे थे, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा 72 प्रतिशत था। निजी स्कूल में बच्चे को पढ़ाने वाले करीब 32 फीसदी माता-पिता ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा की दुर्दशा को इसका सबसे बड़ा कारण बताया था, जबकि अन्य पांच फीसदी की नजर में यह दूसरी मुख्य वजह थी।

आज स्कूल फीस व अन्य संबंधित खर्चों के अलावा, माता-पिता 'शैडो स्कूलिंग' या निजी ट्यूशन के लिए भी पैसा चुकाते हैं, ताकि उनका बच्चा पिछड़ न जाए। जब हम ट्यूशन पर किए गए खर्च के बारे में पड़ताल करते हैं, तो पाते हैं कि 2017-18 में सरकारी स्कूलों में 15 से 18 आयु-वर्ग के करीब 31 फीसदी बच्चे कोचिंग संस्थानों में जाते थे, जबकि निजी स्कूलों के मामले में यह आंकड़ा 24.5 फीसदी था। यही वह उम्र होती है, जब उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी व बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी अमूमन शुरू हो जाती है।

निजी कोचिंग कराना माता-पिता की सामाजिक-आर्थिक हैसियत से भी तय होता है। बढ़िया कमाने वाले माता-पिता न सिर्फ अपने बच्चों की शिक्षा पर अच्छा खर्च कर सकते हैं, बल्कि खुद अच्छे पढ़े-लिखे होने के कारण स्कूल होमवर्क पूरा कराने में भी बच्चों की मदद कर सकते हैं। करते हैं। ट्यूशन में बच्चों के दाखिले और उनकी माओं की शिक्षा का अनुपात तो उल्टा 'यू' (अंग्रेजी वर्ण यू) आकार का दिखता है। यानी, निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 15 से 18 साल के बच्चों में, उन बच्चों के निजी कोचिंग संस्थान जाने का प्रतिशत सबसे कम (13 फीसदी) रहा, जिनकी मां उच्च माध्यमिक शिक्षा या उससे ऊपर की डिग्री ले चुकी हैं। इसका यह मतलब है कि शिक्षित माएं अपने बच्चों के स्कूली कामकाज में मदद करने में सक्षम होती हैं।

सरकारी स्कूलों में भी, जहां एक तरफ माओं की शिक्षा व बच्चों के निजी कोचिंग में दाखिले के बीच उल्टा 'यू' का रिश्ता दिखता है, वहीं दूसरी ओर पढ़ाने का सामर्थ्य भी एक बड़ा कारक बनकर उभरता है। जिन बच्चों की माताओं ने प्राथमिक स्कूल पूरा नहीं किया, निजी कोचिंग में उनके दाखिले की दर कम दिखी, जबकि 15-18 आयु-वर्ग के सरकारी स्कूल के बच्चों का ट्यूशन पढ़ने के बावजूद औसत वार्षिक खर्च 10,000 रुपये से कुछ ही अधिक था। यह राशि निजी स्कूलों के बच्चे के औसत खर्च की एक तिहाई भी नहीं थी। इतना ही नहीं, निजी स्कूलों के बच्चों के माता-पिता सरकारी स्कूलों की तुलना में ट्यूशन पर करीब 40 फीसदी अधिक खर्च करते हैं। यानी, गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई व खर्च आदि को देखते हुए यह कह सकते हैं कि निजी स्कूलों के विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के मामले में सरकारी स्कूलों के छात्रों से बेहतर अवस्था में होते हैं।

ऐसे में, यह कैसे सुनिश्चित किया जा सकेगा कि इंजीनियरिंग या मेडिकल की तरह सीयूईटी परीक्षा की तैयारी कराने के नाम पर कोचिंग सेंटर मशरूम की तरह नहीं उगेंगे, जो न सिर्फ शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं, बल्कि निम्न गुणवत्ता वाले स्कूलों में पढ़ने वाले और गरीब विद्यार्थियों को प्रभावित भी कर सकते हैं। जबकि, वे पहले से ही काफी नुकसान झेल रहे हैं।

(साथ में सौम्या धनराज)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

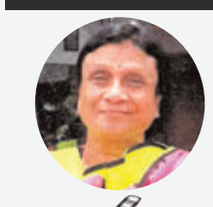

दोस्तों खुश रहने का अगर मौका मिले तो छोड़ना नहीं, घर हो या बाहर जज्बा बना रहना चाहिये, अपनों के साथ जितनी भी खुशियां बांटों मुट्ठी में दबाकर सबके बीच खूब बांटों?

-अंजली जैन
7024460938

फ्रिंज और भय ही है मुख्यधारा

श्रुति व्यास

दोनों तरफ के फ्रिंज तत्वों की बल्ले-बल्ले है वहीं मोदी सरकार-भाजपा की मुख्यधारा में टर्निंग प्वाइंट है। फिलहाल पूरा मामला भय से आगे बढ़ा हुआ है। हर पक्ष एक-दूसरे को तौलते हुए है और भय चुपचाप गुस्से व बदले की भावना तथा फायदे की सोच में कन्वर्ट होता हुआ। हमारे (हिंदुओं) और उनके (मुसलमानों) मौजूदा समय में डर का भंवर फिर चौड़ी खाई बनाते हुए है। इस दफा दुनिया का भी ध्यान 'न्यू इंडिया' पर केंद्रित हैं। यों मोदी सरकार के आठ वर्षों में राजनीति हिंदू बनाम मुस्लिम की धुरी पर ही है। वह उसी से जीतती आई है। मगर ऐसा पहली बार है जो देशों ने हमारी निंदा की है। आईना दिखाया है। हमारा तिरस्कार है और हमारे 'सर्वधर्म समभाव' के दावे को संदेह से देखा जा रहा है। अरब देश नाराज हैं, खुश कतई नहीं हैं। वे भारत के रवैए पर सोचते हुए हैं। भारत कूटनीति समझाने की हर संभव कोशिश कर रहा है बावजूद इसके अरब देशों के नागरिक भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं। भारत को बदनाम कर रहे हैं और दोनों तरफ के लोग सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को ट्रोल करते हुए हैं। तभी सवाल है इस्लामी देशों बनाम भारत के रिश्तों में जो खाई बनी है उसमें आगे क्या होना है? जैसे देश में भंवर और खाई है वैसे ही क्या वैश्विक स्तर पर भी नफरत के रिश्ते होने हैं? बात सिर्फ अरब देशों की आलोचना और निंदा की नहीं है, कूटनीतिक नतीजों की नहीं है, आर्थिक नुकसान या विश्व मंच पर भारत की स्थिति को ले कर नहीं है, बल्कि इस सच्चाई पर विचारने की है कि जब खाड़ी-अरब देशों, बांग्लादेश, मालदीव जैसे देशों और भारत की आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से परस्पर जरूरत है तो मौजूदा संकट का दुराव आगे कितना बढ़ेगा? भारत के हम लोग कतर, दुबई और सऊदी अरब के विकास, उनके कंक्रीट जंगल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते आए हैं। वे हमारे बॉलीवुड के अभिनेता और अभिनेत्रियों के मुरीद हैं। हमारे मनोरंजन व्यवसाय के पोषक हैं। क्रिकेट के हमारे जुनून और उसके कारोबार की ताकत हैं तो इस्लामी देशों से हमारा कितना गुजारा है, इसे समझना मुश्किल नहीं है। बेशक अरब जमीं में पैदा अल कायदा की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इससे सत्ता गलियारों में चिंता पैदा होना स्वभाविक है। भक्तों को भी चिंता करनी चाहिए। मगर सवाल है कि इस सबसे भारत की अंदरूनी राजनीति में क्या कोई चिंता होगी? हमारी राजनीति क्या तनिक भी बदलेगी? उसमें क्या नए मोड़ आ सकते है? मुख्यधारा और फ्रिंज तत्वों की केमिस्ट्री क्या बदलेगी? यही विकट कैच-22 है। बहुत पहले से, 2014 से ही जब भारत की मुख्यधारा नफरत, भय और वैमनस्य के भंवर में है तो यह फर्क करना और सोचना क्या व्यर्थ नहीं है कि जिन कथित फ्रिंज तत्वों से संकट पैदा है वे ही तो 1947 से लेकर अब तक भारत की राजनीति को एक छोर से दूसरे छोर लाते-ले जाते रहे हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 786962023

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पता:- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

समता कॉलोनी, अग्रसेन चौक से गुढ़ियारी, रामनगर, हीरापुर आवागमन हुआ सुविधाजनक

मुख्यमंत्री ने तेलघानी नाके के समीप रेलवे अंडरब्रिज का किया लोकार्पण

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अग्रसेन चौक से रामनगर मार्ग पर तेलघानी नाका के निकट रेलवे अंडर ब्रिज का फीता काटकर लोकार्पण किया और आवागमन सुविधा की सौगात के लिए लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ तेलघानी नाका की ओर से रामनगर तक पैदल चलकर नवनिर्मित अंडर ब्रिज की गुणवत्ता एवं सौदर्यीकरण का मुआयना किया। इस अवसर पर रामनगर वासियों ने मुख्यमंत्री का बहुत ही उत्साह पूर्वक स्वागत सम्मान किया और उन पर फूल बरसाकर आभार जताया। इस अंडर ब्रिज के शुरू हो जाने से समता कॉलोनी, अग्रसेन चौक से गुढ़ियारी रामनगर, हीरापुर आने-जाने वालों को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस अंडर ब्रिज की लंबाई 272 मीटर और चौड़ाई 7.5 मीटर है।

रामनगर निवासी राधेश्याम कश्यप और प्रेम कुमार लोधी ने बताया कि इस रेलवे अंडर ब्रिज के पूर्ण होने का बहुत दिनों से इंतजार था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथो लोकार्पण होने से लोगों में हर्ष का माहौल है। अब लोगों को ओवरब्रिज का लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। समता कॉलोनी, अग्रसेन चौक से गुढ़ियारी रामनगर, हीरापुर की ओर आने-जाने वाले लोग अंडर ब्रिज का उपयोग कर सकेंगे। इससे पैसे और समय की बचत भी होगी और यातायात सुगम होगा।

शिविर में पहुंचकर उठाएं लाभ, पाएं समस्याओं का समाधान - महापौर

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने सर्वमंगला एवं बांकीमोंगरा जोन के समस्त वार्डो के नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि 22 जून को घुड़देवा में आयोजित होने जा रहे शिविर में वे अधिकाधिक संख्या में पहुंचे एवं शिविर का लाभ उठाते हुए अपनी समस्याओं, शिकायतों का समाधान पाएं। उन्होने जोन के वार्ड पार्षदों, एल्डरमेनगणों से भी अपील की है कि वे शिविर में अपनी उपस्थिति दें एवं जनसमस्याओं के निराकरण में अपनी सहभागिता प्रदान करें।

महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार की महती योजना '' सरकार तुहर द्वार '' कार्यक्रम के तहत नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्रांतर्गत वृहद समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इसके तहत विगत 11 मई को कोरबा व टी.पी.नगर जोन के वार्डो के लिए तथा 25 मई को कोसाबाड़ी जोन, प.रविशंकर शुक्ल व बालको जोन के वार्डो के लिए तथा 08 जून को दर्री जोन के वार्डो के लिए शिविर लगाए जा चुके हैं, इन तीनों शिविरों में हजारों की संख्या में समस्याओं का निराकरण किए जाने के साथ ही नागरिकों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा चुका है। इसी कड़ी में 22 जून को सर्वमंगला एवं बांकीमोंगरा जोन के वार्ड क्र. 54 एवं वार्ड क्र. 56 से वार्ड क्र. 67 के लिए अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुड़देवा में वृहद समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

यह शिविर प्रात: 09 बजे से दोपहर 02 बजे तक संचालित होगा। महापौर प्रसाद ने वार्ड पार्षदों व एल्डरमेनगणों से आग्रह करते हुए कहा है कि वे 22 जून को शिविर में अवश्य पहुंचे तथा आमजन की समस्याओं व शिकायतों के निराकरण में अपनी सहभागिता दें। उन्होने सर्वमंगला एवं बांकीमोंगरा जोन में स्थित वार्ड के नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वे शिविर में अधिकाधिक संख्या में पहुंचे, अपनी समस्याओं का समाधान पाएं तथा इसका लाभ प्राप्त करें।

शिविर में भी लिए जाएंगे आवेदन - वृहद समाधान शिविर के आयोजन के काफी दिनों पूर्व से ही नगर निगम कोरबा एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने डोर-टू-डोर भ्रमण कर लोगों से उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त किया था, इन आवेदनों का शिविर तिथि से पूर्व ही संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर इसकी जानकारी लोगों को शिविर के दौरान दी जाएगी। इसके अतिरिक्त नागरिकों से उनकी समस्याओं व शिकायतों से संबंधित आवेदन पत्र शिविर स्थल पर भी लिए जाएंगे।

खास खबर

मछलियों की वंश वृद्धि एवं संरक्षण हेतु क्लोज सीजन 15 अगस्त तक घोषित

दुर्ग। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-के तहत् 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को ''बंद ऋतु क्लोज सीजन'' के रूप में घोषित किया गया है। मत्स्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस बंद ऋतु में जिले के अन्तर्गत समस्त नदियों-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किये गये हैं। इनमें सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2022 तक पूर्णत: निषिद्ध रहेगा। उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम के अन्तर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास या पांच हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनो एक साथ होने का प्रावधान हैं। उन्होंने बताया कि यह नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं हैं उन पर लागू नहीं होगा।

प्रदेश में आज अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना

रायपुर। प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडऩे की संभावना है। वहीं एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने तथा अंधड़ चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक द्रोणिका उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक स्थित है। उत्तर-दक्षिण द्रोणिका उत्तर पूर्व बिहार से अंदरूनी उड़ीसा तक 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा पोरबंदर, भावनगर, खंडवा, गोंदिया, दुर्ग, भवानीपटनम, कलिंगपटनम, मालदा और मोतिहारी है। अगले 3 दिन में मध्य प्रदेश के कुछ भाग, विदर्भ के शेष भाग, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ भाग, उड़ीसा, गंगेटिक पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के कुछ और भाग में मानसून पहुंचने की संभावना बन रही है।

वनांचल में हरियाली और लोगों की आय वृद्धि में नरवा विकास महत्वपूर्ण : भूपेश बघेल

4.72 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को 34.41 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि का वितरण

रायपुर, बिलासपुर, कांकेर, जगदलपुर और सरगुजा वनवृत्त में वनोपज उत्पादों की गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं का लोकार्पण

महासमुन्द वन मण्डल में 5 करोड़ रूपए की लागत से ईको-टूरिज्म विकास के कार्यों का शुभारंभ

नरवा विकास कार्यों की गुणवत्ता से न हो कोई समझौता

सी-मार्ट के उत्पादों की कीमत बाजार मूल्य से कम रखने के निर्देश

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए आज सरफेस वाटर और भूमिगत जल को सहेजने की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने नरवा योजना के अंतर्गत किए जा रहे हैं भू जल संवर्धन और संरक्षण के कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने की।

मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में वन विभाग द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस दौरान राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'नरवा विकास' के तहत वर्ष 2022-23 में प्रदेश के 40 वन मंडलों में कैम्पा मद से 300 करोड़ 52 लाख रूपए की लागत से स्वीकृत कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश में वर्ष 2020 में हुए तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के लिए 432 समितियों के 4 लाख 72 हजार संग्राहकों को 34 करोड़ 41 लाख रुपए की राशि प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित भी की।

मुख्यमंत्री ने नरवा विकास योजना में 300 करोड़ रूपए के कार्यों का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में वन वृत्त स्तर पर रायपुर, बिलासपुर, कांकेर, जगदलपुर और सरगुजा में वनोपजों और उत्पादों की गुणवत्ता के परीक्षण के लिए स्थापित प्रयोगशालाओं का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने महासमुन्द वन मण्डल में 5 करोड़ रूपए की लागत से ईको-टूरिज्म विकास के कार्यों का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वनांचल में हरियाली लाने तथा लोगों की आय में वृद्धि के लिए नरवा विकास योजना महत्वपूर्ण है। इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए नरवा विकास कार्यक्रम को एक अभियान का रूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि इसकी गुणवत्ता में कोई समझौता न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने भेंट मुलाकात अभियान के दौरान सरगुजा और बस्तर संभाग के भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि सूरजपुर, बीजापुर और सुकमा में जल स्तर काफी नीचे है, इसलिए इन जिलों में अधिक से अधिक नरवा विकास का कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भेंट मुलाकात के दौरान जानकारी मिली की वन क्षेत्रों में इन कार्यों से जल स्तरों लगभग 30 सेंटीमीटर जबकि मैदानी क्षेत्रों जलस्तर में लगभग 7 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। कई जगह नरवा विकास का कार्य बहुत अच्छे तरीके से किया गया है। उन्होंने कहा कि नरवा विकास के कार्य से वन क्षेत्रों में वन्यजीवों और पशु पक्षियों के लिए ना सिर्फ जल की उपलब्धता होगी बल्कि खेती करने वाले भी दो फसलें ले सकेंगे, इससे बायो डायवर्सिटी को बढने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने वनों में फलदार पौधों के वृक्षारोपण के निर्देश दिए। उन्होंने भेंट मुलाकात के दौरान कोंडागांव, कांकेर, बीजापुर में सी-मार्ट के लोकार्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि ये मार्ट काफी अच्छे बनाए गए हैं, यहां इस बात को ध्यान में रखने की जरूरत है कि वहां उत्पादों की कीमतें बाजार मूल्य से कम हो।

श्री बघेल ने कुछ जिलों में नेट से महुआ कलेक्शन के प्रारंभ हुए कार्य का जिक्र करते हुए कहा कि इससे महुआ संग्राहकों को अच्छा फायदा हो रहा है, इसी तर्ज पर नेट के माध्यम से चार-चिरौंजी का भी संग्रहण किया जाए। चार-चिरौंजी का बाजार में अच्छा मूल्य मिलता है। वर्तमान में लोग चार एकत्र करने के लिए पेड़ की डंगाल ही काट लेते हैं, यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई पेड़ ना काटे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साढ़े तीन साल पहले हम लोगों ने खेती-किसानी के समानांतर वन और वनोपज आधारित एक मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण की शुरुआत की थी, ताकि हमारे ग्रामीण तथा वनवासी भाई बहनों को दोहरा लाभ हो सके। दोगुनी ताकत के साथ उनके जीवन में बदलाव लाया जा सके। मुझे खुशी है कि हमने दोनों ही मोर्चों पर बड़ी सफलताएं अर्जित की हैं। एक तरफ हमारी खेती-किसानी मजबूत हुई है तो दूसरी तरफवन तथा वनोपज से होने वाली आय में भी बढ़ोतरी हुई है। वनोपजों को ग्रामीणों की नयी ताकत बनाने के लिए हमने अनेक स्तर पर पहल की है। समय-समय पर वनवासी भाइयों को हम नयी-नयी सौगात देते रहे हैं। आज भी इस कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी सौगातें दी जा रही हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वन मंत्री श्री अकबर ने कहा कि भू-जल के संरक्षण और संवर्धन सहित नाला को पुनर्जीवित करने में नरवा विकास एक बहुउपयोगी योजना है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नरवा विकास कार्यक्रम का सतत रूप से मॉनिटरिंग हो। उन्होंने कहा कि इसके लिए नरवा विकास कार्यों से जल स्तर में वृद्धि तथा सिंचाई के रकबे में वृद्धि के आंकलन की भी तैयारी की जा रही है। वन मंत्री श्री अकबर ने बताया कि राज्य में वनवासियों के हित में लघु वनोपजों के संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण आदि व्यवस्था के जरिए उन्हें अधिक से अधिक लाभ दिलाने सतत प्रयास हो रहे हैं। इसी का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ लघु वनोपजों के संग्रहण के मामलें में देश में अव्वल है। वर्तमान में देश के लगभग तीन चौथाई लघु वनोपजों का संग्रहण छत्तीसगढ़ में होता है।

इस अवसर पर संसदीय सचिव चंद्रदेव राय, मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग सुब्रत साहू, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, नोडल अधिकारी नरवा, गरवा, घुरूवा, बाड़ी योजना डॉ. अय्याज फक्कीर भाई तम्बोली, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ संजय शुक्ला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (कैम्पा) व्ही. श्रीनिवास राव, अपर प्रबंध संचालक द्वय एस.एस. बजाज, आनंद बाबू तथा कैम्पा के संचालन तथा क्रियान्वयन समिति के सदस्य जी.एस. धनंजय, पंकज बांधव, वशिउल्ला शेख, श्रीमती लक्ष्मी साहू, एम. सूरज तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

विकास प्रदर्शनी: न्याय योजनाओं से वनांचल के लोगों के जीवन में आयी खुशहाली

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा लगायी गई विकास प्रदर्शनी से लोगों को उपयोगी जानकारी सहजता से उपलब्ध हो रही है।

विकास प्रदर्शनी का कोण्डागांव जिले से आए जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और ग्रामीणों ने अवलोकन कर इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य में संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री हॉट बाजार क्लिनिक योजना, गोधन न्याय योजना और नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं से ग्रामीणों के जीवन में जहां बदलाव

आया है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ हुई है। लघु वनोपज संग्रहण और प्रसंस्करण से आदिवासियों के जीवन में आर्थिक बदलाव आए हैं और राज्य सरकार द्वारा वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन किए जाने से वनांचल के पट्टाधारी किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण तथा किसान न्याय योजना का भी लाभ मिलने लगा है जो सराहनीय है। इसी तरह इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे पुरानी बस्ती निवासी श्री देवाशीष पटेल और कचना निवासी श्री सूरज विश्वकर्मा ने बताया कि शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं का को बड़े ही आकर्षक तरीके से प्रदर्शनी में दिखाया गया है। फ्लैगशिप योजनाओं का जीवंत प्रदर्शन सराहनीय है।

उल्लेखनीय है कि 21 मई से 22 जून तक चलने वाली इस विकास प्रदर्शनी में लोककल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को फोटो एवं ऑडियो-वीडियो के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जा रही है। जिसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक सहित सभी आयु वर्ग के लोग आ रहे हैं।

इस अवसर पर विकास प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं और विगत साढ़े तीन साल के विकास कार्यों पर आधारित उपयोगी प्रकाशन सामग्री का भी वितरण किया जा रहा है।

गृहमंत्री ने किया विद्यार्थियों व शिक्षकों का सम्मान

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। आत्मानंद इंग्लिश स्कूल रिसाली में 21 मई से 15 जून तक पार्षद व एमआईसी सदस्य अनुप डे तथा भिलाई बंगाली समाज द्वारा नि:शुल्क स्पोकन इंग्लिश क्लास का आयोजन किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू थे। विशेष अतिथि के रूप में रिसाली की महापौर शशि सिन्हा उपस्थित थी।

स्पोकन इंग्लिश क्लास में स्कूल सहित आसपास के करीब 250 बच्चों को शिक्षकों द्वारा स्पोकन इंग्लिश की बारीकियां सिखाई गई। साथ ही जिन बच्चों को अंग्रेजी बोलने को लेकर हिचकिचाहट थी उसे शिक्षकों द्वारा दूर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने पार्षद अनुप डे व बीबीएस की सराहना करते हुए इस प्रकार के आयोजन आगे भी जारी रखने की बात कही। महापौर शशि सिन्हा द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र बांटा गया।

वहीं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने शिक्षक श्री राव, श्रीमती जयश्री दास, श्रीमती भासवती बोस, श्रीमती सोनाली विश्वास, कुमारी रितिका सेन, कुमारी आकांक्षा सोनी, राजदीप सेन तथा भिलाई बंगाली समाज के पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य चन्द्रभान ठाकुर, ईश्वरी साहू, सोनिया देवांगन, पार्षद अनिल देशमुख, प्रिंसिपल पी रमेश, चन्द्रकांत कोरे, जानकी रमैया, प्रेमचंद साहू, शुभाशीष डे आदि उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

एनीमिया से बचाव के लिए प्रोटीन आयरन और विटामिन-सी से भरपूर आहार लें

रायपुर। एनीमिया यानि रक्ताल्पता से एक बड़ी आबादी जिसमें महिलाओं से लेकर बच्चे शामिल हैं, लगातार पीड़ित हैं। आम बोलचाल की भाषा में एनीमिया का मतलब खून यानि हीमोग्लोबिन की कमी है। किसी व्यक्ति में एनीमिया तब होता है जब रक्त में लाल रूधिर कण यानि आरबीसी के नष्ट होने की दर उसके निर्माण के दर से अधिक हो। एनीमिया को गंभीरता से नहीं लेने पर आगे चलकर यह गंभीर रुप धारण कर लेता है। इसलिए इसके प्रति जागरूकता बहुत जरूरी है। महिलाओं में मासिक धर्म और गर्भावस्था में यदि एनीमिया का समुचित उपचार नहीं किया गया तो यह अनेक रोगों का कारण भी बनता है। एनीमिया की गंभीरता को देखते हुए सरकार द्वारा इसके बचाव और नियंत्रण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, रायपुर के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय शुक्ला ने बताया कि एनीमिया के अनेक प्रकार हैं। लेकिन सभी तरह की एनीमिया में त्वचा, जीभ, नाखूनों और पलकों के अंदर सफेद दिखाई देना, कमजोरी एवं बहुत अधिक थकावट, लेटकर या बैठकर खड़े होने पर चक्कर आना, सांस फूलना, हृदय गति का तेज होना, बेहोशी आना, चेहरे व पैरों पर सूजन? आना, बालों का झड़ना जैसे मुख्य लक्षण दिखाई देते हैं। जैसे ही किसी व्यक्ति में यह लक्षण दिखाई दें उन्हें तत्काल सरकारी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए।

बच्चों में एनीमिया पौष्टिक आहार की कमी और कृमि के कारण होता है। महिलाओं में एनीमिया का प्रमुख कारण मासिक धर्म के समय अत्यधिक रक्तस्राव और गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार के सेवन का अभाव है। साथ ही हमारी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां जिसमें महिलाओं का परिवार में आखिर में बचा भोजन ग्रहण करने की परंपरा भी इसके लिए जिम्मेदार है। इसके चलते महिलाओं को सुपोषण नहीं मिल पाता। महिलाओं और बच्चों में एनीमिया के लिए कुपोषण की भी प्रमुख भूमिका है। सरकार द्वारा शिशु और महिला सुपोषण अभियान सतत रूप से चलाया जा रहा है। इन अभियानों में और अधिक जन-जागरूकता की आवश्यकता है।

टेली मेडिसिन सप्ताह में एक लाख से अधिक लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

रायपुर (ए)। जन स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर जिले में छह से 11 जून तक ई.संजीवनी टेलीमेडिसिन सप्ताह का आयोजन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों के माध्यम से किया गया। इस दौरान टेलीमेडिसिन के माध्यम से 1.63 लाख से अधिक लोगों ने ऑनलाइन परामर्श का लाभ लिया। इस ई.संजीवनी टेलीमेडिसिन का उद्देश्य लोगों को उनके निकटतम दूरी पर ही चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध करवाना था, इसके तहत राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस संबंध में हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के संयुक्त संचालक डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने बताया कि ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सुविधा के माध्यम से जरूरतमंद निकटतम हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में उपस्थित होकर जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आनलाइन परामर्श का लाभ लिया। इसमें सामान्य रोगों, गंभीर रोगों के साथ ही मानसिक समस्याओं से पीड़ित रोगियों को भी स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। प्रदेश के 3,680 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के माध्यम से 1.63 लाख लोगों की जांचकर उपचार प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि टेलीमेडिसिन द्वारा गर्भवती महिलाओं को परामर्श, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ द्वारा परामर्श, मानसिक रोग संबंधी परामर्श, मेडिसिन विशेषज्ञ द्वारा परामर्श, सामान्य बीमारियों, शिशु रोग, दांत की बीमारियों के लिए परामर्श व दवाएं दी गईं।

बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए खेल और व्यस्त दिनचर्या से जोड़े : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री ने 'बच्चों का नशे की आदत से बचाव, चुनौतियां व समाधान' विषय पर कार्यशाला का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग का स्थापना दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों में नशे की बढ़ती आदतें न सिर्फ उनसे उनका बचपन छीन रही हैं, बल्कि उनका जीवन भी छीन रही हैं। नयी जीवन शैली में बहुत कुछ ऐसी चीजें शामिल होती जा रही हैं, जो सुविधाएं देने के साथ-साथ नये खतरे भी निर्मित कर रही हैं। इन्हीं में से एक मोबाइल फोन भी है। बड़े-बुजुर्गों की जिम्मेदारी है कि बच्चों को नशे से दूर रखें। बच्चे बड़ो को आदर्श मानते हैं और उनका अनुसरण करते है। बच्चों के सामने ऐसी छवि बनाएं, ताकि बच्चे नशे की तरफ आकर्षित न हों। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेज कुंवर नेताम और सदस्यगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे समाज में बच्चों के अधिकारों का हनन इतना आम हो चुका है कि यह अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने पुराने दिनों के प्रसंग को याद करते हुए बताया कि बचपन में बच्चे किसी न किसी तरह से नशे के करीब जाते हैं। जब बच्चों की उम्र बढ़ती है तो उनका आकर्षण नशे के प्रति बढ़ते जाता है और वे नशे के आदी हो जाते हैं। यह नशा बच्चे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल की परिस्थितियां ऐसी थी कि बच्चे घर से बाहर नहीं जा पाते थे इसने बच्चों में मोबाइल की लत को बढ़ावा दिया। बच्चे ऑनलाइन गेम के साथ ऐसी चीजे भी देखते हैं जो उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। मुख्यमंत्री ने सुझाव देते हुए कहा बच्चों को मोबाइल से दूर रखना है तो बच्चों को व्यस्त रखें, उन्हें ऐसी गतिविधियों से जोड़ें जो उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखे। उन्हें खेलने के लिए प्रेरित करें। बच्चे यदि घर में हों तो हमारे पारम्परिक खेल जैसे भौरा, कंचे जैसे खेल खिलाएं और सबसे बड़ी बात ये है कि बच्चों के माता-पिता बच्चों को समय दे, तथा बच्चों के साथ खेल तथा अन्य गतिविधियों में उनके सहभागी बने। मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ रायपुर, बिलासपुर और सूरजपुर में चल रहे अभियान को पूरे प्रदेश में लागू करने की भी आवश्यकता बताई।स्कूल शिक्षा मंत्री टेकाम ने कहा कि बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए स्कूलों में औपचारिक शिक्षा दी जा रही है। शासन का प्रयास है कि स्कूलों के पास नशे की दुकान न हों। फिर भी बच्चों में नशे की लत देखने को मिलती है। इसके लिए समाज और स्वैच्छिक संस्थानों की मदद जरूरत है। काउंसलिंग, शिविर और बच्चों को सचेत करने के लिए दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग कर नशे के नुकसान के बारे में बताया जाना चाहिए। आयोग की अध्यक्ष नेताम ने आयोग द्वारा बच्चों के संरक्षण के लिए किए जा रहे कामों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए शासकीय प्रयासों के साथ-साथ समाज की भी जिम्मेदारी होनी चाहिए। माता-पिता के साथ परिवार के अन्य सदस्य बच्चों को जागरूक करें और नशे से होने वाली दुष्प्रभावों को बताएं। कार्यशाला में विभिन्न शासकीय विभागों और संस्थानों के अधिकारीगण शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने आयोग की नई वेबसाइट को किया लॉंच

मुख्यमंत्री ने राजधानी के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यशाला का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आयोग की नई वेबसाइट को लॉंच किया। उन्होंने आम लोगों में नशे के प्रति जागरूकता लाने के लिए ब्रोशर और लईका मन के गोठ पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने प्रतिभाशाली बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

पूरे देश में हो रही है छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा

लोगों के सपने पूरे करने का काम कर रही है हमारी सरकार: मुख्यमंत्री

विकसित होते रायपुर शहर को मिली विकास कार्यों की नयी सौगातें

25.38 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कमल विहार फ्लाई ओवर का लोकार्पण

27.79 करोड़ रुपए की लागत के 4 विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेजी से विकसित हो रहे रायपुर को विकास कार्यों की नई सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कमल विहार के निकट, नेशनल हाईवे पर निर्मित 831 मीटर लंबे फ्लाई ओवर का लोकार्पण किया। इसकी कुल लागत 25.38 करोड़ रुपए है। कमल विहार फ्लाई ओवर के लोकार्पण से आवागमन में सहूलियत होगी तथा स्थानीय लोगों को इससे काफी लाभ होगा।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 27.29 करोड़ रुपए लागत के 4 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इन कार्यों में आरंग से खपरी पहुंच मार्ग में अकोली खुर्द के पास नाला में पुलिया निर्माण, टेकारी-पलौद मार्ग पर पलौद नाला में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण, बिरोदा से सिंगार भाठा मार्ग पर कोलर नाला एवं टंकी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण तथा लखना-चंपारण मार्ग के शक्ति नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य शामिल है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार लाखों लोगों के सपने पूरे करने का काम कर रही है, दूषित पानी को ट्रीट किया जा रहा है, गरीबों को ध्यान में रखकर शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना चलाई जा रही है, धनवंतरी योजना से जेनेरिक दवाइयां आधे से भी कम कीमत पर उपलब्ध हैं। श्री बघेल ने कहा कि हर आदमी का सपना है कि एक मकान बनाए, लेकिन दफ्तरों के चक्कर में कई साल निकल जाते थे, हमने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की बाध्यता समाप्त कर सिर्फ नगर निगम से परमिशन लेने का नियम बनाया। हमने मितान योजना से 100 प्रकार की सेवाएं घर तक पहुंचाई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ माडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है और हमारी पहल की नीति आयोग ने भी तारीफ की है, राजस्व विभाग के काम तेजी से हो रहे है और समस्त प्रदेश वासियों को इसका लाभ मिल रहा है।

पिछले साढ़े तीन वर्षों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रयासों से रायपुर शहर के जनजीवन को अधिक सुगम और सुविधापूर्ण बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है तथा आज जिन कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है, उनसे शहर का यातायात और भी सुगम होगा। गौरतलब है कि शहरों को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के साथ साफ-सुथरा पर्यावरण सुनिश्चित करना भी छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार का लक्ष्य है। इसीलिए सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण के साथ-साथ शहर की हवा और पानी को भी प्रदूषण-मुक्त करने के लिए ये महत्वपूर्ण पहल मुख्यमंत्री द्वारा की गयी है। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग के मंत्री ताम्रध्वज साहू ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कमल विहार के इस फ्लाई ओवर के निर्माण से क्षेत्र की जनता को काफी सहूलियत मिलेगी। श्री साहू ने कहा कि साढ़े तीन वर्षों में घोषणा पत्र के अधिकतर कार्यों को हम पूर्ण करा चुके हैं और घोषणा पत्र के बाहर जाकर भी कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम का तकनीकी प्रतिवेदन लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, विधायक सत्यनारायण शर्मा, विधायक धनेन्द्र साहू समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

पांच साल से धूल खा रही पेट स्कैन मशीन, कैंसर रोगी जांच से वंचित

रायपुर (ए)। डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल में 20 करोड़ रुपये की पेट स्कैन (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) मशीन लगभग पांच वर्ष से धूल खा रही है। यहां इलाज के लिए आने वाले कैंसर रोगियों को इससे जांच का लाभ नहीं मिल रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि पेट स्कैन मशीन से जांच शुरू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से अनुमति मांगी गई है, जिसकी फाइल लंबे समय से सचिवालय में अटकी हुई है।

बता दें कि वर्ष-2017 में पेट स्कैन मशीन खरीदी गई। खरीदी की प्रशासकीय स्वीकृति नहीं ली गई थी। खरीदने के बाद इसके संचालन का जिम्मा निजी एजेंसी को दिया जा रहा था, जिसकी शर्तों में भी खामियां सामने आईं थी। ऐसे में मामला विवादित हो गया। इसके बाद इसे शुरू करने के लिए चार से पांच बार स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखा जा चुका है। मिली जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने भी इसे जल्द शुरू करने के निर्देश प्रबंधन को दिए थे। चिकित्सकों का कहना है कि मशीन से जांच सेवा शुरू होने पर कैंसर रोगियों के इलाज में काफी सहयोग मिलेगा।

एडवांस तकनीक से लैस

चिकित्सकों ने बताया कि पेट स्कैन मशीन कैंसर जांच की एडवांस तकनीक से लैस है। इसके जरिए कैंसर की मुख्य वजह क्या है, कहां और कितना फैल चुका है, इसकी जानकारी मिलती है। निजी अस्पतालों में इससे जांच का शुल्क लगभग 15 हजार रुपये है। आंबेडकर अस्पताल में शासकीय योजनाओं के तहत मरीजों को इससे जांच की नि:शुल्क सुविधा मिलेगी। चिकित्सकों ने कहा कि शासन चाहे तो इससे जांच तत्काल शुरू की जा सकती है।

मुंबई-हावड़ा मार्ग की 18 गाड़ियां रद

रायपुर (ए)। नागपुर रेलवे मंडल के अंतर्गत आने वाले राजनांदगांव-कलमना के बीच तीसरी लाइन का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 20 जून को सुबह 10 बजे से लेकर 22 जून तक आटो सिग्नलिंग, नान इंटरलाकिंग का काम किया जाएगा। इसके कारण 18 ट्रेनों को रद किया गया है। वहीं, छात्र आंदोलन के कारण 18 जून को दुर्ग-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस रद रहेगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग-गोंदिया स्पेशल, गोंदिया-दुर्ग स्पेशल, गोंदिया-इतवारी मेमू, इतवारी-गोंदिया मेमू, कोरबा-इतवारी एक्सप्रेस, इतवारी-कोरबा एक्सप्रेस, बिलासपुर-इतवारी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेने 20 और 21 जून को रद रहेंगी। इतवारी-बिलासपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 21 और 22 जून को, रीवा-इतवारी एक्सप्रेस 20 जून को, इतवारी-रीवा एक्सप्रेस 21 जून को, सिकंदराबाद-रायपुर एक्सप्रेस 20 जून को रद रहेगी।

अनुपयोगी एवं ओपन बोरवेल को तत्काल ढकवाने कलेक्टरों को कड़े निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य में अनुपयोगी एवं ओपन बोरवेल को सुरक्षा की दृष्टिकोण से तत्काल ढकवाने के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर अनुपयोगी बोरवेल, ग्रेबल पैक बोरवेल सामान्य बोरवेल, नवीन नलकूप खनन, रिंगवेल और ओपन वेल की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में सुरक्षात्मक उपाय करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि अनुपयोगी बोरवेल्स को किसी भी स्थिति में खुला न छोड़ा जाए। बोरवेल फेल होने की स्थिति में बोर होल अथवा गड्ढे को तत्काल मिट्टी रेत पत्थर से भरकर सतह को पूर्व की भांति समतल और ठोस किया जाए। उन्होंने सभी कलेक्टरों को अनुपयोगी बोरवेल की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा वर्ष 2009 में रिट पिटिशन क्रमांक 09 के संबंध में पारित आदेश का कठोरतापूर्वक पालन करने को भी कहा है।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्र में 10 जून 2022 को जांजगीर-चांपा जिले में मालखरौदा विकासखंड के ग्राम पिहरीद में भी एक बालक के बोरवेल में गिरने की घटना का उल्लेख करते हुए लिखा है कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए कोई भी बोर उपयोग हो रहा हो, अनुपयोगी हो चुका हो, निष्प्रयोज्य घोषित हो चुका हो, केसिंग सहित हो अथवा केसिंग निकाला जा चुका हो, किसी भी प्रयोजन के लिये भी हो, शासकीय बोर हो अथवा निजी या किसी भी निकाय संस्था का बोर हो, जिसका उपयोग पेयजल, सिंचाई, वाणिज्यिक या उद्योग के लिए किया जाता हो, खुले में कदापि नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि सामान्यत: नलकूप खनन के दौरान कई बार भसकने वाले स्ट्रेटा प्राप्त होने से, सब-साइल जल दबाव अधिक होने से, बोल्डर प्राप्त होने से, टूल्स गिरने अथवा टूटने या अन्य कारणों से नलकूप खनन संभव नहीं हो पाता है, फलस्वरूप गड्ढा यथावत छोड़ दिया जाता है। कई बार नलकूप खनन के दौरान विभिन्न कारणों से केसिंग डालने के पश्चात भी नलकूप खनन कार्य पूर्ण नहीं हो पाता है एवं केसिंग पाईप निकाल लिया जाता है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

शरीर के लिए क्यों आवश्यक है फाइबर युक्त चीजों का सेवन?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अक्सर आपने पौष्टिक चीजों के सेवन की आवश्यकताओं के बारे में सुना होगा। पर क्या जिस तरह का भोजन हम रोजाना कर रहे हैं, उसमें आवश्यक सभी पोषक तत्व मौजूद हैं? अध्ययनों से पता चलता है कि भोजन में पौष्टिकता की कमी के कारण कई तरह की बीमारियां तेजी से बढ़ती जा रही हैं। इसका सबसे ज्यादा असर पेट की समस्याओं के रूप में देखने को मिल रहा है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि आमतौर पर लोगों की फास्ट और जंक फूड्स की तरफ रुचि अधिक देखी जा रही है, इसमें फाइबर की मात्रा बिल्कुल कम जबकि फैट की अधिकता होती है, ऐसे में इनका अधिक सेवन आपको बीमार कर सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक पेट की बीमारियों से बचे रहने के लिए सभी लोगों को आहार में फाइबर युक्त चीजों के अधिक सेवन पर ध्यान देना चाहिए। डायट्री फाइबर आपके मल त्याग की प्रक्रिया को आसान बनाने के साथ वजन को नियंत्रित रखने में सहायक माने जाते हैं। फाइबर युक्त चीजों का सेवन करने से कब्ज होने की दिक्कत कम होती है और यह आंतों को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके लिए कच्चे फल-सब्जियों, साबुत अनाज, चिया सीड्स आदि का सेवन अधिक करें। आइए आहार में फाइबर की मात्रा बढ़ाने से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए फायदेमंद

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ न केवल आपके पाचन को ठीक रखने में मदद करते हैं, साथ ही यह आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ भी रखते हैं। इससे आपको अतिरिक्त खाने की

इच्छा नहीं होती है। एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने नियमित रूप से फाइबर वाली चीजों का सेवन किया, उनमें वजन बढ़ने का खतरा काफी कम पाया गया। मोटापा के खतरे से बचे रहने के लिए भी फाइबर वाले आहार आपके लिए लाभकारी हैं।

आंत रहता है स्वस्थ

अच्छे पाचन के लिए आंतों का स्वस्थ बना रहना आवश्यक माना जाता है। फाइबर वाली चीजों के सेवन की आदत बनाकर आप आंतों को स्वस्थ रख सकते हैं। हाई फाइबर डाइट आपके बृहदान्त्र को स्वस्थ रखकर बवासीर और मांस के उभार जैसी समस्याओं के जोखिम को कम कर देते हैं। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि फाइबर युक्त आहार कोलोरेक्टल कैंसर के खतरे को कम करने में भी सहायक है।

मधुमेह रोगियों को आहार में जरूर करना चाहिए शामिल

रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी फाइबर युक्त चीजों के सेवन को बढ़ाना लाभदायक माना जाता है। शोध से पता चलता है कि मधुमेह वाले लोगों में फाइबर, विशेषरूप से घुलनशील फाइबर, शर्करा के अवशोषण को धीमा कर देता है जिससे डायबिटीज बढ़ने का जोखिम कम रहता है। रक्त शर्करा के स्तर को बेहतर बनाए रखने और विशेषकर टाइप-2 डायबिटीज के विकास के जोखिम कम करने में इसके लाभ पाए गए हैं।

लंबी आयु के लिए करें सेवन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि यदि आप भी लंबी आयु चाहते हैं तो इसमें आहार की विशेष भूमिका हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि आहार में फाइबर वाली चीजों की वृद्धि करके कार्डियोवैस्कुलर बीमारी और कई तरह के कैंसर के विकसित होने और इसके कारण होने वाली मौत के खतरे को कम किया जा सकता है। ऐसे में आहार में फाइबर की मात्रा बढ़ाकर आप लंबी आयु भी पा सकते हैं।

डेविड धवन की बीमारी के दौरान काम करने पर वरुण बोले-

वो हमेशा चाहते हैं कि मैं अपने कमिटमेंट्स को पूरा करूं

फिल्ममेकर डेविड धवन पिछले कुछ दिनों से हॉस्पिटल में एडमिट थे। अब हाल ही में उनके बेटे वरुण धवन ने एक इंटरव्यू में अपने पिता की हेल्थ के बारे में बात की और बताया कि उन्होंने हॉस्पिटल के साथ-साथ अपने बाकी कमिटमेंट्स को कैसे मैनेज किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेविड को एडवांस स्टेज की डायबिटीज है, जिसकी वजह से पहले भी कई बार उनकी तबियत बिगड़ चुकी है। कहा जा रहा है कि डायबिटीज होने की से उनकी तबियत खराब हो गई थी।

डेविड घर पर हो रहे हैं रिकवर

वरुण ने कहा, 'लोग मेरे पापा को प्यार करते हैं और अब हम उन्हें घर वापस ले आए हैं। जब आपके पिता की तबीयत खराब होती है तब काम करना मुश्किल होता है, लेकिन मेरे पापा हमेशा चाहते हैं कि मैं अपने कमिटमेंट्स को पूरा करूं। वो अब घर पर हैं और रिकवर हो रहे हैं।' हाल ही में डेविड ने भी अपनी हेल्थ की अपडेट देते हुए कहा था कि वो अब बेहतर महसूस कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब डेविड हॉस्पिटल में एडमिट थे, तब लाली धवन (वरुण की मां) दिन में उनके पास रुकती थीं। वहीं रात में रोहित और वरुण अपने पिता के साथ होते थे।

डेविड ने आखिरी बार 'कुली नंबर 1' को किया था डायरेक्ट

डेविड धवन ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं, जिसमें 'मैं तेरा हीरो', 'जुड़वां', 'हसीना मान जाएगी', 'साजन चले सुसराल', 'जोड़ी नंबर 1', 'पार्टनर', 'मैंने प्यार क्यों किया', जैसी फिल्में लिस्ट में शामिल हैं। डायरेक्टर के रूप में उनकी आखिरी फिल्म 'कुली नंबर 1' थी, जिसमें वरुण और सारा अली खान लीड रोल में थे।

वरुण धवन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो, एक्टर की अपकमिंग फिल्म 'जुगजुग जियो' 24 जून को रिलीज होगी। फिल्म में वरुण के अलावा कियारा आडवाणी, अनिल कपूर, नीतू कपूर, मनीष पॉल और प्राजक्ता कोहली भी लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन राज मेहता ने किया है। इसके अलावा वरुण, जाह्नवी कपूर के साथ 'बवाल' फिल्म में नजर आएंगे।

जेलर: रजनीकांत की फिल्म का पोस्टर हुआ रिलीज फैंस बोले- इसकी शूटिंग जेल में होगी क्या?

रजनीकांत की अपकमिंग तमिल फिल्म 'जेलर' की मेकर्स ने 17 जून को अनाउंसमेंट कर दी है। मेकर्स ने फिल्म का पहला पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। जिसमें एक चाकू पर खून लगा हुआ नजर आ रहा है। इस फिल्म के लिए रंजनीकांत ने डायरेक्टर नेल्सन दिलीप कुमार के साथ पहली बार कोलाब्रेट किया है।

फैंस ने किया जेलर के पोस्टर पर रिएक्ट

सन पिक्चर्स ने जेलर के पहले पोस्टर के साथ टाइटल शेयर किया है। जिसके बाद, कमेंट कर पूछा कि क्या जेलर भी एक ही लोकेशन पर शूट होगी, जैसे नेल्सन की आखिरी फिल्म 'बीस्ट' को एक मॉल के अंदर शूट किया गया था। फैंस ने लिखा, फिल्म की पूरी शूटिंग जेल के अंदर होगी क्या? एक दूसरे यूजर ने लिखा, नेल्सन एक और बड़ा टास्क हैंडल करने वाले हैं। फिल्म का बड़ा हिस्सा एक ही लोकेशन पर शूट किया जाएगा।

रजनीकांत की आखिरी फिल्म 'अन्नात्थ' थी

रजनीकांत आखिरी बार तमिल फिल्म 'अन्नात्थ' में नजर आए थे। सन पिक्चर्स के द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म में कीर्ती सुरेश, नयनतारा, खुशबू सुंदर, मीना और जगपति बाबू जैसे एक्टर्स लीड रोल में थे। फिल्म का डायरेक्शन शिवा ने किया था। रजनीकांत ने शिवा की फिल्म 'विश्वासम' देखने के बाद डायरेक्टर के साथ काम करने की इच्छा जताई थी।

फिल्म का टाइटल पहले 'थलाइवार 169' था

फिल्म का टाइटल पहले थलाइवार 169 था, जिसे बदलकर अब जेलर कर दिया गया है। रजनीकांत ने शिवा के साथ काम करने को लेकर कहा था, जब शिवा मुझसे मिले तो उन्होंने कहा कि मेरे साथ हिट फिल्म बनाना आसान है। मैं यह सुनकर शॉक्ड रह गया था, क्योंकि इससे पहले मुझसे कभी किसी ने ऐसा नहीं बोला। उन्होंने कहा कि मुझे गांव में सेट की गई स्टोरी बेस्ड फिल्म में कास्ट किया जाना चाहिए।

शुरू हुई मार्वल की नई फिल्म की एडवांस बुकिंग, तीन साल बाद पर्दे पर वापसी करेगा थॉर

मार्वल ने यह तय कर लिया है कि वह अपने फैंस को किसी भी तरह अपने बिछाए जाल से बाहर नहीं निकलने देगा। दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर 'डॉक्टर स्ट्रेंज 2' के साथ धूम मचाने के बाद अब एक बार फिर मार्वल स्टूडियोज अपनी एक और सुपर हीरो फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहा है। 'डॉक्टर स्ट्रेंज' के सीक्वल के बाद मार्वल के फैंस इस फिल्म के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। यह फिल्म साल 2011 में आई फिल्म 'थॉर' का चौथा पार्ट है, जिससे थंडर का देवता यानी क्रिस हेम्सवर्थ पूरे तीन साल बाद पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। देश-विदेश में फैले मार्वल और अभिनेता के फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भारत में 'थॉर' के फैंस के लिए एक खबर सामने आ रही है, जिसे सुनकर फिल्म के फैंस खुशी से झूम उठेंगे।

एडवांस बुकिंग हुई शुरू

साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक 'थॉर: लव एंड थंडर' की एडवांस बुकिंग देशभर में शुरू हो गई है। फैंस इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने का इंतजार पिछले कई महीनों से कर रहे थे। आखिरकार, वह अब देशभर में कहीं भी टिकट बुक कर सकते हैं। 'एवेंजर्स: एंडगेम' के तीन साल बाद दर्शकों को थॉर के रूप में क्रिस हेम्सवर्थ को ऑन-स्क्रीन देखने का मौका मिलेगा। इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'थंडर का देवता आपके शामिल होने का इंतजार कर रहा है। थॉर लव एंड थंडर की एडवांस बुकिंग अब खुल चुकी है। भारत में यह फिल्म यूएस से एक दिन पहले 7 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। अभी टिकट बुक करें।

नए किरदार के साथ वापसी करेगी फिल्म

इस फिल्म से क्रिस हेम्सवर्थ 'गॉड ऑफ थंडर' के रूप में वापसी कर रहे हैं। मार्वल की इस फिल्म से क्रिस और निर्देशक तायका वेट्टी की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। इसके साथ ही 'थॉर' फ्रेंचाइजी की इस फिल्म से मार्वल यूनिवर्स में एक नए विलेन 'गौर द गॉड बूचर' की भी एंट्री हो रही है। गौर का किरदार ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता क्रिश्चिन बेल निभाते नजर आएंगे।

अमेरिका से एक दिन पहले रिलीज होगी फिल्म

थॉर:लव एंड थंडर की कहानी के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। हालांकि इस फिल्म की घोषणा जुलाई 2019 में कर दी गई थी। 'थॉर: लव एंड थंडर' 'रग्नारोक' की तुलना में ज्यादा भावनात्मक फिल्म होगी पर अभी भी इस फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा कुछ कह पाना मुश्किल है, क्योंकि ट्रेलर में कहानी के सारे पत्ते नहीं खोले गए हैं। पूरी कहानी के बारे में जानने के लिए हमें 7 जुलाई को इसके रिलीज होने का इंतजार करना पड़ेगा। यह फिल्म अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

यश 19: एक्शन के बाद अब रोमांस करते नजर आएंगे रॉकी भाई, पूजा हेगड़े उनकी अगली हीरोइन

हिंदी, तमिल और तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब अभिनेत्री पूजा हेगड़े कन्नड़ सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म 'राधे श्याम' में काम प्रभास के साथ काम करने के बाद अब पूजा हेगड़े 'केजीएफ' स्टार यश के साथ फिल्म करने जा रही हैं। निर्माताओं ने इस फिल्म का नाम 'यश 19' निर्धारित किया है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि पूजा हेगड़े को 'यश 19' के निर्माताओं द्वारा संपर्क किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन नर्तन द्वारा किया जाएगा। बता दें कि नर्तन वही हैं, जिन्होंने 2017 में आई कन्नड़ फिल्म 'मुफ्ती' का निर्देशन किया था। यदि पूजा हेगड़े और मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर राजी हो जाते हैं तो हम पहली बार अभिनेत्री और यश को स्क्रीन शेयर करते हुए देखेंगे।

खबरें के मुताबिक पूजा को सूर्या अभिनीत एक तमिल फिल्म भी ऑफर की गई थी। हालांकि पूजा ने महेश बाबू और त्रिविक्रम की फिल्म SSMB28 को डेट इश्यू के कारण छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी टीम ने यह कहकर इनकार कर दिया है कि डेट्स का मुद्दा है, लेकिन वह बहुत रुचि रखती हैं और जब भी फिल्म शुरू होगी, डेट्स एडजस्ट कर लेंगी।

वर्कफ्रंट

यानी पूजा हेगड़े, सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दीवाली' और विजय देवरकोंडा के साथ 'JGM' में नजर आएंगी। इसके अलावा यश जल्द ही केजीएफ-3 की शूटिंग शुरू करेंगे, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब देखना होगा कि दोनों की जोड़ी को फैंस कितना पसंद करते हैं।

आ रहा है 'वेनम' का तीसरा पार्ट, टॉम हार्डी की इस पोस्ट से मिला संकेत

मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स अपने दर्शकों के लिए सूपरहीरोज की धमाकेदार कहानियां पेश कर रहा है। 'डॉक्टर स्ट्रेंज' फ्रेंचाइजी की फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' के बाद वह अगले महीने थॉर फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त 'थॉर: लव एंड थंडर' लाने के लिए बिल्कुल तैयार है। इस फिल्म के लिए लोगों का उत्साह अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि सोनी पिक्चर्स की फ्रेंचाइजी के लीड एक्टर ने उसके अगले पार्ट का संकेत दे दिया है। दरअसल, सोनी की 'वेनम' फ्रेंचाइजी के मुख्य अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आगामी फिल्म की स्क्रिप्ट की झलक साझा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। सोशल मीडिया पर उनका यह पोस्ट खूब वायरल हो रहा है।

'वेनम' सीरीज के मुख्य अभिनेता टॉम हार्डी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर फ्रेंचाइजी की आने वाली तीसरी फिल्म के बारे बताया। फिल्म की स्थिति को बताते हुए टॉम ने फिल्म की स्क्रिप्ट के कवर फोटो को अपलोड किया और अपने फैंस को बताया की फिल्म पर पहले से ही काम चल रहा है। तस्वीर में वेनम का एक कार्टून डूडल बना हुआ है, जिसमें उसकी जीभ बाहर निकली हुई है। डूडल के नीचे, पेज पर लिखा है,

स्टोरी बाय टॉम हार्डी एंड केली मार्सेल। दरअसल, मार्सेल स्क्रिप्ट के लेखक हैं। हालांकि, इस कवर पेज से फिल्म की कहानी या उसके नाम का भी खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन यह फैंस के लिए इस बात की पुष्टि है कि जल्द ही बड़े पर्दे पर हमें 'वेनम 3' देखने को मिलेगी।

इस पोस्ट यह भी साफ हो गया है कि टॉम हार्डी इस फिल्म से अपने किरदार में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि एंडी सर्किस ही इस फिल्म का निर्देशन करेंगे या नहीं। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई , जिसने समीक्षकों के नेगेटिव रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इसका दूसरा पार्ट 2021 में 'वेनम: लेट देयर बी कार्नेज' के रूप में रिलीज किया गया था। इस फिल्म को समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। 'स्पाइडर मैन: नो वे होम' के बाद इसे अब एमसीयू में गिना जाने लगा है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस का आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर +नशापान करने की प्रवृत्ति की रोकथाम तथा समाज में नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस का आयोजन विभिन्न विभागों द्वारा किया जाएगा। नशा पीड़ितो की संख्या में सतत् वृद्धि होना चिन्ता का विषय है। इसके रोकथाम के लिए समुदाय की सहभागिता अनिवार्य है। नशापान के विरूद्ध व्यापक जनमत विकसित करने के लिए 26 जून को अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर रेडियो एवं दूरदर्शन से नशामुक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण, जिले के समस्त विभागों से समन्वय से नशापान के विरूद्ध समुचित कार्यवाही, जन सामान्य की सहभागिता से रैली, प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परिचर्चा, गोष्ठियां, सेमीनार कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही यथासंभव नशा पीड़ितों से प्रत्यक्ष संवाद विकसित किया जाकर उन्हें नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी देना, नशामुक्ति साहित्यों का वितरण, नशा तथा एड्स प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार, विद्यार्थियों में नशापान के विरूद्ध जागरूकता लाने हेतु विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय में नशापान न करने हेतु प्रेरक उद्बोधन का आयोजन होगा। इसके अतिरिक्त स्थानीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुरूप अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन होगा शताब्दी गार्डन में

दुर्ग । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून को कलेक्ट्रेट परिसर दुर्ग में स्थित शताब्दी गार्डन में किया जाएगा। बारिश की स्थिति में यह आयोजन खालसा पब्लिक स्कूल मालवीय नगर में होगा। कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने अधिकारियों के उत्तरदायित्व सुनिश्चित किए हैं संयुक्त कलेक्टर डॉ. प्रियंका वर्मा आयोजन की संयोजक एवं प्रभारी अधिकारी होंगी। एसडीएम दुर्ग श्री मुकेश रावटे को उत्तरदायित्व कार्यक्रम की तैयारियों का होगा। उपसंचालक समाज कल्याण कार्यक्रम से जुड़े हुए विभागों से समन्वय कर कार्यक्रम समय सीमा पर पूरा कराएंगे। नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजन के निर्देश दिए गए हैं।

वन अधिकार मान्यता पत्रधारियों को दिलाएं योजनाओं का लाभः मंत्री डॉ. टेकाम

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा है कि वन अधिकार मान्यता पत्र धारियों को उनकी भूमि पर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इन्हें मनरेगा योजना से जोड़कर रोजगार मूलक कार्य कराए जाएं।

मनरेगा के तहत वन अधिकार मान्यता पत्र धारियों को लाभ दिलाने के लिए जिला अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही प्रत्येक वन समिति को कम से कम एक सामुदायिक वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र स्वीकृत करने का लक्ष्य दिया जाए। व्यक्तिगत वन अधिकार की समीक्षा कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 में रायपुर और दुर्ग संभाग में 62 आदर्श छात्रावास-आश्रमों का उन्नयन किया जाना है। इसके लिए 19 करोड़ 68 लाख 54 हजार रूपए की राशि आबंटित की गई है। डॉ. टेकाम आज मंत्रालय में रायपुर और दुर्ग संभाग के सहायक आयुक्तों की बैठक लेकर विभाग के काम-काज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास श्री डी.डी. सिंह, आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री डॉ. टेकाम ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें। निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास आयुक्त श्रीमती शम्मी आबिदी ने अधिकारियों को विशेष रूप से कमजोर जनजाति वर्ग के लिए राज्य स्तरीय पारंपरिक खेल प्रतियोगिता आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कमार बस्तियों में ज्यादा गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों की पहचान कर मौके पर जाकर यथा संभव मदद करने के निर्देश दिए। श्रीमती आबिदी ने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजाति वर्ग की बस्तियों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। साप्ताहिक हाट-बाजार में नेत्र शिविर का आयोजन कर अन्य संबंधित दवाईयां एवं चश्मा उपलब्ध कराया जाए। विशेष रूप से कमजोर जनजाति वर्ग के शत-प्रतिशत वन अधिमान्यता पत्र धारियों को मनरेगा योजना के साथ जोड़ा जाए। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि व्यक्तिगत वन अधिकार के लिए जिन ग्रामों में वनक्षेत्र हैं, वहां पर परिवारवार, विकासखण्डवार जानकारी एकत्र कर ली जाए। उसके आधार पर शेष बचे परिवारों को व्यक्तिगत वन अधिकार प्रदाय किया जाए। व्यक्तिगत वन अधिकार मान्य की गई वन भूमि का रकबा दावा की गई भूमि से कम है, इस ओर अधिकारी ध्यान दें। विशेषकर जिला स्तरीय समिति द्वारा दावा स्वीकृत करते समय इसकी छानबीन कर ली जाए। जिन्हें वन अधिकार पत्र प्राप्त हो चुके हैं, उन वन अधिकार पत्र धारकों की भूमि पर शासकीय योजनाओं के माध्यम से विकास कार्य कराया जाए।

अग्निपथ योजनाः युवाओं के लिए सशस्त्र बलों में शामिल होने और मातृभूमि की सेवा करने का स्वर्णिम अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। अग्निपथ योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए लेफ्टिनेंट जनरल एम.के. दास, परम विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया ने नया रायपुर स्थित छत्तीसगढ़-ओडिशा सब-एरिया, मुख?यालय में मीडिया कर्मियों को बताया कि मानव संसाधन प्रबंधन एक विकासवादी प्रक्रिया है और प्रत्येक संगठन को बदलते परिवेश के अनुकूल होना चाहिए । युवा देशभक्ति के जोश के साथ एक युवा भारत अपनी मातृभूमि की सेवा करना चाहता है और नई भर्ती बदली हुई नीति युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। जब नागरिक समाज का हिस्सा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अत्यधिक योगदान देगा, तब अग्निवीर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे ।

इस अवसर पर जानकारी दी गयी कि कई युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर नहीं मिल पाया था, क्योंकि कोविड की वजह से पिछले दो वर्षों से भर्ती प्रक्रिया सुचारु नहीं हो सकी थी, युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर 2022 में भर्ती प्रक्रिया के लिए अग्निवीरों की भर्ती के उद्देश्य से आयु सीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष कर दी गयी है । ले.ज. एम.के. दास ने बताया कि अग्निवीर योजना देश के सभी हिस्सों के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए समान अवसर प्रदान करेगा । योजना के तहत नामांकन प्रशिक्षण सहित चार साल की अवधि के लिए होगा । अग्निपथ योजना शिक्षित युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए सही कौशल सेट के साथ प्रेरित करेगी और उन्हें मौद्रिक और कौशल विकास दोनों में आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करेगी । उन?होंने ने बताया कि सशस्त्र बल लंबी सेवा अवधि के लिए सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ को बनाए रखेंगे जो संगठन के मूल का निर्माण करेंगे तथा अग्निवीर के चार साल की सेवा पूरी करने के बाद, उन्हें एक बार 'सेवा निधि' पैकेज मिलेगा जो उन्हें अपने भविष्य के सपनों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

उन्होंने बताया कि सेवा की अवधि के दौरान अग्निशामकों को भारतीय सेना में परिचालन के साथ-साथ गैर-संचालन क्षेत्रों में तैनाती के लिए तैयार संगठन में पूरी तरह से आत्मसात और एकीकृत किया जाएगा । यह बदलाव भारतीय सेना में नया जोश और आत्मविश्वास लाएगा और इसे मजबूत, अधिक सक्षम और भविष्य के साथ आगे बढ़ाएगा।

गौरतलब है कि 04 जून को, माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सशस्त्र बलों के सेवा प्रमुखों के साथ सशस्त्र बलों में 2022 के भर्ती चक्र के लिए 17.5 वर्ष से 23 वर्ष की आयु के युवाओं की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना शुरूआत की थी । अग्निपथ योजना तीन सेवाओं और राष्ट्र में नामांकन के लिए एक परिवर्तनकारी सुधार है जो मानव संसाधन प्रबंधन में प्रतिमान परिवर्तन लाती है। यह सेना को भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू बल बनाने की पहल में से एक है, जो संघर्ष के पूरे स्पेक्ट्रम में कई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। इस योजना के तहत सशस्त्र बलों में नामांकित होने वालों को अग्निवीर कहा जाएगा।

अबूझमाड़ के घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में मलेरिया की जांच करने पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम अबूझमाड़ के घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में मलेरिया की जांच करने पहुंची है। नदी-नालों व पहाड़ी रास्तों को पार कर स्वास्थ्य अमले ने नारायणपुर जिले में घने जंगलों और पहाड़ों के बीच बसे ओरछा विकासखंड के लंका, पदमेटा, कारंगुल, हांदावाड़ा और रासमेटा गांव पहुंचकर मलेरिया की जांच के साथ ही स्केबीज और मोतियाबिंद की भी स्क्रीनिंग की। नारायणपुर की ओर से पहुंचविहीन होने के कारण टीम लंबा रास्ता तय कर बीजापुर और दंतेवाड़ा जिला के रास्ते इन गांवों तक पहुंची। टीम ने लंका और हांदावाड़ा में मलेरिया जांच के साथ ही शिविर लगाकर 1500 लोगों का इलाज भी किया। नारायणपुर जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के छटवें चरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। इस दौरान वहां एक लाख 42 हजार लोगों की मलेरिया जांच की गई।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत मलेरिया की जांच करने स्वास्थ्य विभाग की टीम लंका और हांदावाड़ा क्षेत्र में नारायणपुर जिले के अबूझ कहे जाने वाले ओरछा विकासखंड (अबूझमाड़) के धुर नक्सल प्रभावित, घने जंगलों एवं पहाड़ों को पगडंडियों के सहारे पार करते हुए लंका, पदमेटा, कारंगुल और रासमेटा गांव पहुंची। रास्ता न होने के कारण टीम को बीजापुर जिला होते हुए वहां तक पहुंचना पड़ा। खण्ड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. सुखराम डोरपा के नेतृत्व में सहयोगी डॉक्टरों डॉ. अनुराधा नेताम और डॉ. श्यामबर सिंह के साथ स्टॉफ नर्स कु. सरस्वती दुग्गा ने शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मलेरिया, स्केबीज और मोतियाबिंद की स्क्रीनिंग कर अन्य बीमारियों की भी जांच की। उन्होंने दवाईयां और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया।

हांदावाड़ा और लंका नारायणपुर जिले के ऐसे बीहड़ एवं दुर्गम गांव हैं जहां जाने के लिए बीजापुर और दंतेवाड़ा की ओर से नदी-नालों को पार कर पहुंचना होता है। बारिश के दिनों में वहां स्थितियां और भी गंभीर होती है। स्वास्थ्य विभाग की टीम इसी मार्ग के जरिए इन गांवों में पहुंची और ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार जीवनरक्षक दवाईयां नि:शुल्क वितरित कीं। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के छटवें चरण में 17 मई से 16 जून तक नारायणपुर जिले में एक लाख 42 हजार लोगों की मलेरिया जांच की गई। इनमें से पॉजिटिव पाए गए 2566 लोगों का मौके पर ही इलाज शुरू किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस दौरान कुल साढ़े 25 हजार घरों, स्कूलों, आश्रमों, छात्रावासों, पोटा-केबिनों और अर्द्ध-सैनिक बलों के कैंपों में पहुंचकर मलेरिया की जांच की।

रोका-छेका अभियानः मिला पारंपरिक प्रथा को पुनर्जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में एक जुलाई से रोका-छेका अभियान शुरू हो रहा है। प्रदेश में फसलों की सुरक्षा, किसानों की आय में वृद्धि और मवेशियों को सड़कों से दूर सुरक्षित रखने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीणों और किसानों के सहयोग से रोका छेका अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य आवारा पशुओं से फसल को बचाना है इसके साथ ही अभियान में वर्षा ऋतु के दौरान पशुओं को होने वाली गलघोटू और एकटंगीया आदि बीमारियों से बचाने के इंतेजाम भी इस दौरान किए जा रहे हैं।

पिछले 3 साल से रोका छेका अभियान का प्रत्यक्ष लाभ प्रदेश के किसानों को मिल रहा है पशुओं को रखने के उचित प्रबंधन से पशु खेतों में नहीं आ पा रहे हैं, जिससे फसलों का नुकसान नहीं हो रहा है। पशुओं के रखरखाव से जहां पशुओं की बीमारियां कम हो रही हैं वहीं दुग्ध उत्पादन बढ़ा है। पशुओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हो रहा है।सड़कों पर पशुओं के न आ पाने से दुर्घटना में कमी आयी है। छत्तीसगढ़ में रोका-छेका की पुरानी परंपरा रही है, जिसमें ग्रामीण आपसी समन्वय से फसलों की सुरक्षा के लिए पशुओं के रख-रखाव का प्रबंधन करते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में खेती में मशीनीकरण के फलस्वरूप किसानी में पशुधन अनार्थिक हो रहे थे, ज्यादातर पशुपालक अपने अपने पशुओं को सडकों पर आवारा छोड़ देते थे। इस समस्या के निदान की पहल करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने रोका-छेका अभियान को जनसहयोग से पुनर्जीवित किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार लगातार छत्तीसगढ़ की परम्परा एवं लोक रीतियों के संवर्द्धन और संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सुराजी गांव योजना के तहत मुख्यमंत्री ने गांवों में अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की ओर कई महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएं हैं। इसी क्रम में नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के जरिए ग्रामीण व्यवस्था की नींव को पुन: मजबूत बनाया गया। किसानों को खेती के लिए इनपुट सब्सिडी भी दी जा रही है। गोबर खरीदी योजना का लाभ भी सीधे पशुपालको को मिला है, अब हर गांव में गौठानों को पूर्ण रूप से सक्रिय किया जा रहा है और यहां महिलाओं को समूह के माध्यम से जोड़कर गोबर से वर्मी कम्पोस्ट समेत अन्य उत्पादन किए जा रहे हैं। गौठानों में आयमूलक गतिविधियां भी संचालित की जा रही है। परिणामस्वरूप गांवों में स्थानीय रोजगार के साधन बढ़े हैं, शहरों की ओर पलायन थमा है और समृद्धि आई है।

पशुधन का संवर्द्धन और संरक्षण

छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य होने की वजह से यहां पशुपालको की संख्या भी अधिक है। पशुपालकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पशुओं के उचित देखरेख की थी। उचित प्रबंधन के अभाव में पशुपालन के क्षेत्र में लोगों की रुचि भी घट रही थी जिनके पास पशु होते थे वे इन्हें आवारा छोड़ देते थे लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से अब परिस्थितियां बदल रही हैं, पशुधन अनार्थिक नहीं रहे। गोबर खरीदी, खाद निर्माण, गौठानों के बन जाने से राज्य में पशुधन की संख्या बढ़ी है। नवाचारी योजनाओं से अब पशुपालन की चुनौती कम हुई है, उन्हें अब गोबर खरीदी का प्रत्यक्ष लाभ मिला है। रोका-छेका अभियान से पशुओं को नियंत्रित रखा जा रहा है जिससे सड़क में दुर्घटना की संभावना और खेतों में फसल का नुकसान कम हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर गांवों में गौठानों में आवारा पशुओं को रखा जा रहा है, यहां पर्याप्त चारा, पैरा आदि की व्यवस्था करने के साथ-साथ ग्रीष्मकालीन धान की फसल के पैरादान के लिए कृषकों को प्रेरित करने की पहल भी की गई(

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन एवं प्राधिकृत अधिकारी, नगर पालिक निगम भिलाई- चरोदा, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

/ / ईश्तहार / /

रा.प्र. क्र. - 202206100600050

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री ज्ञानप्रकाश केवर्त पिता रामखिलावन केवर्त निवासी गांधी नगर वार्ड-14 भिलाई-03 तहसील पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा गांधी नगर वार्ड 14 भिलाई-3 प.ह.नं.-01 रा.नि.म. भिलाई-3 तहसील पाटन जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 381/2 भू खण्ड क्रमांक 233 रकबा 50 वर्गमीटर अर्थात 538 वर्गफीट को अपने पिता रामखिलावन केवर्त के मृत्यु होने के कारण प्राप्त राजीव गांधी आश्रय पट्टा को अपने नाम से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त आवेदित भूमि का पट्टा प्रदान किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई नियत दिनांक 29/06/2022 को न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन एवं प्रधिकृत अधिकारी
नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

खास-खबर

फरसगांव के जंगल में जुआ खेल रहे 9 गिरफ्तार, 80 हजार जब्त

कोंडागांव (ए)। फरसगांव थाना क्षेत्र के जंगल में जुआ फड़ पर पुलिस ने कार्रवाई कर मोबाइल, बाइक एवं नगदी रकम सहित कुल 3 लाख 80 हजार की सम्पत्ति जब्त की है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्तियों के द्वारा ग्राम चरकई थाना फरसगांव के जंगल में 52 पत्ती ताश से रुपये पैसों का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर एसपी दिव्यांग पटेल के आदेश से एवं एडिशनल एसपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन व एसडीओपी फरसगांव मणीशंकर चंद्रा के पयर्वेक्षण में कोंडागांव मुख्यालय एवं थाना फरसगांव से विशेष टीम गठित कर पुलिस द्वारा ग्राम चरकई के जंगल में प्राप्त सूचना अनुसार रेड कार्रवाई की गई। घराबंदी कर आरोपियों पर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में सम्पत्ति कश्यप (40) साल निवासी कु मली थाना बड़ांजी, जिला बस्तर, रामसिंह सोरी (30) निवासी गिरोला, संजय नेताम (24)साकिन बन बोरगांव थाना फरसगांव, बोटी राम मौर्य (40) साल निवासी गे तमा थाना भानपुरी, जय लाल मरकाम (35) साल निवासी माला कोट थाना बेनूर, जिला नारायणपुर। सलेअ सिंह (35) साल साकिन रावणभाटा फरसगांव, लिंकन देवांगन (35) निवासी शामपुर थाना कोण्डागांव, बलदेव नाग (45) साकिन बुडरा थाना माकड़ी शामिल हैं।

सूने मकान का ताला तोड़ 1.82 लाख रुपए कैश व सोने-चांदी के गहने ले गए चोर

कवर्धा (ए)। दामापुर चौकी क्षेत्र के ग्राम भटरूसे में सूने मकान में 1.82 लाख रुपए कैश व गहने चोरी हो गए। बेडरूम में रखा अलमारी, संदूक और सूटकेस को घर से कुछ दूर खेत में फेंक कर चोर फरार हो गया था। वारदात के वक्त घर में कोई नहीं था। पीड़ित किसान पत्नी को लेकर अपने ससुराल गया हुआ था। घटना की रिपोर्ट बुधवार को दामापुर चौकी में दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित धरमराज सिंगरौल (42) ग्राम भटरू से का रहने वाला है। 12 जून को वह अपनी पत्नी उर्वसी के साथ अपने ससुराल गांव सैहामालगी काम करने चला गया था। जाने से पहले घर के दरवाजे पर ताला लगाया था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़ा और घर के अंदर घुसे। सभी कमरे की तलाशी ली। बेडरूम में रखे अलमारी (छोटे आकार का), संदूक और सूटकेस उठाकर पास के गन्ना खेत में ले गए। वहां अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे कैश और गहने पार कर दिया। पिता मोहन लाल ने घर का दरवाजा खुला देखा, तब मोबाइल पर कॉल कर बेटे धरम लाल को बताया। खबर पाकर जब वह गांव वापस आया तो घर में चोरी की घटना का पता चला।

डेढ़ लाख कैश व 32 हजार के गहने की चोरी, जुर्म दर्ज

पीड़त धरम लाल ने बताया कि वह पेशे से किसान है। धान बिक्री का 1.50 लाख रुपए खाते आया था, जिसे निकालकर उसने बेडरूम की अलमारी में सुरक्षित रखा था। साथ ही 15 हजार रुपए कीमती 32 तोला एक जोड़ी चांदी का लच्छा, 12500 रुपए कीमती एक नग सोने का लॉकेट, 4500 रुपए कीमती सोने की फुल्ली रखा था, जिसे अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया है। मामले में पुलिस ने धारा 380, 457 के तहत एफआईआर दर्ज कर अज्ञात चोर की तलाश शुरू कर दी है।

नकली सोने को बताया असली और कई जगह बेचा, महिला समेत 4 गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (ए)। दंतेवाड़ा पुलिस ने नकली सोना को असली बताकर सोने-चांदी की दुकान में बेचने या फिर बदले में दूसरे गहने लेकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश और ओडिशा के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। जिन्होंने दिल्ली के बाजार से नकली सोना खरीदा था और उसमें हॉलमार्क का टैग लगाकर जिले के एक सराफा व्यापारी को बेचने की कोशिश की थी। लेकिन, इनकी चतुराई काम नहीं आई और ये पकड़े गए। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गीदम के नए बस स्टैंड में स्थित सराफा व्यापारी ईश्वर लाल सोनी की दुकान पर महिला समेत 2 लोग आए थे। जिन्होंने अपने पास से सोने की चेन, कंगन, ब्रेसलेट समेत अन्य गहने बदलवाने के दिए। इसे देकर इसकी जगह पर दूसरा सोने का आभूषण लेने की बात की। वहीं व्यापारी को गहने में लगे हॉलमार्क का टैग और जीएसटी बिल भी दिखाया। जिसके बाद सराफा व्यापारी ने सोना लेने से पहले उसे चेक करने की बात कही। लेकिन, दोनों लोग सोना चेक करवाने से मना करते रहे। इस पर व्यापारी को शक हुआ। उन्होंने इसकी खबर पुलिस को दी।

गिरोह में कुल 4 लोग थे

मौके पर पहुंचे गीदम थाना के जवानों ने दोनों से पूछताछ की। जिन्होंने अपना नाम संतराम साहू और छाया साहू बताया। ये दोनों ओडिशा के रहने वाले हैं। इनके पास रखे सोने को जब चेक किया गया तो नकली निकला। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। दोनों ने पुलिस को बताया कि, सोना दिल्ली के बाजार से खरीदा हुआ है। इनके साथ उत्तर प्रदेश के अखिलेश कुमार और दिलीप कुमार नाम के ये 2 लोग और आए हैं जो दंतेवाड़ा की तरफ गए हुए हैं। इनके बताए हुलिया के अनुसार दोनों लोगों को ढूंढने जवानों की एक टीम को दंतेवाड़ा की तरफ रवाना किया गया था। जिसके बाद कारली से दोनों को पकड़ा गया।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कई शहरों में बेचा

उत्तर प्रदेश के दोनों युवकों से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने पुलिस को बताया कि, दिल्ली से नकली सोना खरीदकर लाए हैं। ओडिशा के कोरापुट, मैनपुर और छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में अच्छे दामों में बेचा भी है। जिसके बाद अब दंतेवाड़ा के बाजार में बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से करीब 71 हजार रुपए नगद समेत एक कार, नकली सोने के आभूषणों में 4 नग कंगन, 8 नग चेन, 17 नग लॉकेट, 2 नग हार, कड़ा समेत अन्य सामान बरामद किया। सभी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

निजी फर्म ने बेची डेढ़ करोड़ की मल्चिंग

घटिया मल्चिंग से हुई फसल बरबाद, कोर्ट जाएंगे किसान

महासमुंद (ए)। सब्जियों की खेती करने वाले जिले के किसानों के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक निजी फर्म ने क्षेत्र के कई किसानों को करीब 1.50 करोड़ रुपए का सालभर की गारंटी के साथ मल्चिंग (पॉलिथीन) बेचा। किसानों ने फर्म पर भरोसा करके पॉलिथीन की खरीदी की और सब्जियों की फसल के लिए उसे खेत में लगाया, लेकिन दो महीने में ही यह पूरी तरह से फट गया। फटी हुई मल्चिंग की शिकायत के लेकर जब किसान निजी फर्म के पास जा रहे हैं तो उन्हें घुमाया जा रहा है।

हालात ये है कि अब तो निजी फर्म संचालक ने किसानों का फोन उठाना भी बंद कर दिया है। इससे किसानों को मल्चिंग का नुकसान तो हुआ है, साथ ही करोड़ों रुपए की फसल और इसे तैयार करने के लिए जुटाए गए संसाधन की भी क्षति हुई। क्षेत्र के किसान इस मामले को लेकर अब न्यायालय के शरण में जाने की तैयारी में है। इधर, इस मामले में कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग के अफसरों ने कहा कि मामले की जानकारी अब तक नहीं मिली है। किसान यदि लिखित में शिकायत करते हैं तो आगे की कार्रवाई करते हुए उनकी मदद करने का प्रयास किया जाएगा।

सालभर की गारंटी की बात अब फोन भी नहीं उठा रहे

जिले के उन्नत किसान मनीष शर्मा, अनिल अग्रवाल, धनंजय अग्रवाल, अमित पडिहार, मन्नील अग्रवाल ने बताया कि मल्चिंग की खरीदी के समय सालभर पॉलिथीन खराब नहीं होने की गारंटी दी गई थी, लेकिन अब फर्म संचालक फोन नहीं उठा रहा है। मनीष शर्मा ने बताया कि मल्चिंग मल्च इंडिया कंपनी का है, जिसके डीलर की दुकान दुर्ग के गंज मंडी में है।

प्रतिबंधित कफसिरप की तस्करी करते 4 गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। बरपाली पुलिस ने बुधवार की भारी मात्रा में कफसिरप जब्त किया। बुधवार की शाम पुलिस को कफ सीरप तस्करी की सूचना मिली। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ दीपक कुमार गोछायत के मार्गदर्शन में बरपाली आईआईसी रोजालिन पटेल के नेतृत्व में एक टीम ने छापेमारी की। बरपाली-रामपुर रास्ते पर बारंगपाली पुल के पास गाड़ी की जांच करते समय ओडी 17 यू 9543 नंबर की कार के भारी मात्रा में कफ सीरप व नाईट्रोसेन टेबलेट जब्त किया गया। गाड़ी में सवार 4 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 4 मोबाइल फोन व 52340 रुपये जब्त किया गया। इस संबंध में एसडीपीओ गोछायत ने बरपाली थाने में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन कर विस्तृत जानकारी दी। आरोपियों की पहचान चुड़ाराम सेठ (बनाबिरा, सोहेला), बीजू गहीर (बर्लुबहाल, बरपाली), प्रमोद पोढ़ (सोहेला) व थेटिया मेहेर (लुहुराचट्टी) के तौर पर हुई है। ज्ञात हो कि दो दिन पहले भी बरपाली में भारी मात्रा में कफसीरप व नशे की दवाइयां जब्त की गई थी।

युवती का सोशल मीडिया अकाउंट हैक केस दर्ज

महासमुंद (ए)। कोतवाली थाना क्षेत्र में साइबर अपराध से संबंधित दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला एक युवती का सोशल मीडिया एकाउंट हैक कर अश्लील फोटो वायरल करने का है। वहीं दूसरा मामला अज्ञात द्वारा युवती के सोशल मीडिया में अश्लील मैसेज भेजकर प्रताड़ित करने का है। दोनों ही शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पहले मामले में एक व्यक्ति द्वारा उसके सोशल मीडिया एकाउंट को हैक कर रुपयों की मांग की और अश्लील फोटो वायरल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफधारा 384, 509, 67, 67 ए आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

फंदे पर लटके मिले गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड के शव

घरवालों को मंजूर नहीं था रिश्ता इसलिए दोनों ने दे दी जान

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार जिले में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने एक ही पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। दोनों के बीच काफी लंबे समय से प्रेम संबंध था, इसलिए दोनों शादी भी करना चाहते थे। घरवालों को ये रिश्ता मंजूर नहीं था। आखिरकार दोनों ने अपनी जान दे दी है। मामला कसडोल थाना क्षेत्र के साबर गांव का है।

गांव के घनश्याम वर्मा (20) का प्रेम प्रसंग 17 साल की लड़की से था। दोनों हमेशा मिला भी करते थे। यह बात दोनों के घरवालों को पसंद नहीं थी। बताया जा रहा है कि किसी बहाने से गुरुवार शाम को भी दोनों अपने घर से निकल गए थे। इसके बाद देर रात तक दोनों का कुछ पता नहीं चला। दोनों के परिजनों दोनों को तलाशते रहे, फिर भी कोई जानकारी उन्हें नहीं मिली थी।

गांववालों ने देखी लाशें

शुक्रवार सुबह जब लोग गांव में खेतों की तरफ गए थे। तब लोगों ने दोनों की लाश एक बबूल के पड़ पर लटकी हुई देखी। दोनों ने एक ही पेड़ पर अलग-अलग फंदा लगाकर जान दे दी थी। ये देखने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस और परिजनों को इस बात की सूचना दी थी। खबर मिलते ही पुलिस और दोनों के परिजन मौके पर पहुंच गए थे।

अलग-अलग जाति के थे दोनों

आसपास के लोगों से ही पूछताछ करने पर पता चला है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग था। दोनों अलग-अलग जाति के थे। शायद यह भी एक वजह थी जो दोनों के घरवाले इस शादी के लिए मंजूर नहीं थे। पुलिस ने फिलहाल दोनों के शव को पीएम के लिए भेजा है। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। परिजनों से भी पूछताछ की जाएगी।

लिखा-मैं इन दोनों के चलते मर रहा और लगाई फांसी

मौत से पहले युवक ने डाला इंस्टाग्राम पोस्ट, फिर फंदे पर लटकी मिली लाश

कांकेर (ए)। कांकेर जिले में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मौत से पहले उसने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी डाला था। जिसमें उसने लिखा था कि मैं इन दोनों की वजह से मर रहा हूं। फिर फंदे पर लटकी हुई युवक की लाश मिली है। मामला भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र का है।

बसंत नगर में राजा साहू(25) नाम का युवक रहता था। राजा शादी-पार्टी में लाइट डेकोरेशन गुरुवार रात को उसके घर के लोग खाना खाकर सो गए थे। बसंत भी अपने कमरे में चला गया था। इसके बाद जब उसके परिजन सुबह उठे तब उन्होंने देखा कि राजा का शव फंदे पर लटका हुआ है। ये देखकर ही वह हैरान रह गए। सभी रोने लगे थे। घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई थी। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच शुरू की गई। इतने में राजा के कुछ दोस्तों को भी पता चला कि राजा अब नहीं रहा। ऐसे में वह भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को बताया कि राजा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाला था। उस पोस्ट में राजा ने लिखा था कि मैं इन दोनों की वजह से मर रहा हूं। गुड बॉय। पोस्ट में लक्की साहू और विक्रम नाम के युवकों का जिक्र था। पुलिस ने फिलहाल केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। ये भी पता लगाया जा रहा है कि जिस दो लड़कों का नाम राजा ने लिखा था कि आखिर उन दोनों से राजा की ऐसी कौन से बात थी। जिसके चलते उसने ये कदम उठा लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बेमेतरा (छ.ग.)

Phone No.: 07824-222118 email:eebem-phe-cg@nic.in

/ / संशोधन सूचना / /

इस कार्यालय का ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना क्रमांक 01/ले.शा./ का.अ. / दिनांक 11.04.2022 (सिस्टम नं.- 97196) को आमंत्रित किया गया था। उक्त निविदा को अपरिहार्य कारण से निरस्त किया जाता है।

(पूर्व जी. क्रमांक- 90289)

जी-92218/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

मां ने मोबाइल छीना तो बेटे ने किया सुसाइड

स्टूडेंट के दिनभर गेम खेलने से परेशान थे परिजन, फांसी लगाकर दी जान

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में 16 साल के लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल, उसके दिन भर गेम खेलने से नाराज होकर उसकी मां ने हाथ से मोबाइल छीन लिया। इससे छात्र को इतना दुख हुआ कि उसने अपनी जान दे दी। घटना गुरुवार की है। बेटे को फंदे पर झूलते देखकर परिजन उसे आनन-फानन में उतार कर अस्पताल ले गए थे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, शुभम विहार बापजी रेसीडेंसी कॉलोनी निवासी युवराज सिंह (16 साल) स्कूली छात्र था। वह पढ़ाई में होनहार था। इसके साथ ही वह मोबाइल लेकर गेम खेलने का आदी हो गया था। गुरुवार को उसने अपने घर के कमरे में फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जानकारी होने पर घबराए परिजन ने आनन-फानन में फंदा काटकर उसे नीचे उतारा और इलाज के लिए मंगला स्थित निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी गंभीर हालत को देखकर अपोलो अस्पताल रेफर कर दिया गया। अपोलो अस्पताल में

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को इस घटना की जानकारी सिविल लाइन पुलिस को मिली।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि युवराज मोबाइल में गेम खेलते रहता था। गुरुवार को उसकी मां ने नाराज होकर उससे मोबाइल छीन लिया। इससे दुखी होकर वह कमरे में चला गया। कुछ देर बाद परिजन कमरे में गए तब वह फंदे पर झूल रहा था। उसे देखकर परिजन के होश उड़ गए। आशंका जताई जा रही है कि मां के मोबाइल छीनने से दुखी होकर उसने इस तरह से आत्मघाती कदम उठाया होगा।

पुलिस ने कमरे को किया सील परिजन से होगी पूछताछ

टीआई परिवेश तिवारी ने बताया कि किशोर की मां से शुरूआती पूछताछ में मोबाइल छीनने की बात सामने आई है। माना जा रहा है कि इससे दुखी होकर छात्र ने आत्महत्या की होगी। पुलिस ने कमरे को सील कर दिया है। शनिवार को घटनास्थल की जांच कर परिजनों से पूछताछ की जाएगी।

Authorised For: SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

संयंत्र स्तरीय यूनिकोड एवं वॉइस टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र में यूनिकोड एवं वॉइस टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों से नामांकित कार्मिक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक प्रबंधक, जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि कार्यालयीन कामकाज में विशेषकर पत्र-व्यवहार व अन्य लेखन कार्यों को हिंदी में संपादित करने में सर्वाधिक कठिनाई हिंदी में टंकण करने में आती है। इसी कठिनाई को दूर करने और हिंदी टंकण को सरल व सहज बनाने की सबसे आसान विधि है यूनिकोड। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य कार्मिकों को कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने कम्प्यूटर में यूनिकोड की सहायता से हिंदी टंकण को आसान बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम्प्यूटर में यूनिकोड इंस्टालेशन की विधि के अलावा वॉइस टाइपिंग का भी प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही सैप में नोटशीट बनाने में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों एवं उनके समाधान के विषय में भी जानकारी दी गई। सहायक प्रबंधक ने जितेन्द्र दास मानिकपुरी राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी।

बनेंगे वेंडिंग एवं नान वेंडिंग जोन, कार्यशाला में महापौर सहित व्यापारियों ने दिए सुझाव

पथ विक्रेताओं के ठेले, गुमटिया होंगी व्यवस्थित, स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगा विशिष्ट पहचान पत्र, विधायक विद्यारतन भसीन भी रहे मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में आज पथ विक्रेताओं के संरक्षण हेतु नगर विक्रय समिति का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। सर्वप्रथम महापौर नीरज पाल ने सरस्वती माता के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप जलाकर कार्यशाला की शुरुआत की। आयोजित कार्यशाला में पथ विक्रेताओं को एक बेहतर और सुव्यवस्थित तरीके से वेंडिंग जोन के माध्यम से प्लेटफार्म दिए जाने पर प्रेजेंटेशन दिया गया।

प्रेजेंटेशन देने के बाद विधायक विद्यारतन भसीन एवं महापौर नीरज पाल सहित एमआईसी मेंबर तथा व्यापारियों ने वेंडिंग एवं नान वेंडिंग जोन बनाए जाने पर अपने-अपने सुझाव व्यक्त किए। महापौर ने इस दौरान अपने सुझाव में कहा कि पथ विक्रेताओं के लिए यह अच्छी योजना है, इसे पथ विक्रेताओं के साथ मिलकर उनके सुझावों के साथ अमलीजामा पहनाने की जरूरत है, धरातल पर इस कार्य योजना को लाने के लिए समय-समय पर इसकी बैठके भी जरूरी है, पथ विक्रेता रोज अपने व्यवसाय से गुजारा करते हैं, इन्हें सुव्यवस्थित करने के लिए बेहतर कार्य योजना तैयार किए जाने की आवश्यकता है, पथ विक्रेताओं से भी रायशुमारी की जरूरत है तभी शहर में व्यवस्थित वेंडिंग एवं नॉन वेंडिंग जोन बनाए जा सकते हैं।

विधायक विद्यारतन भसीन ने अपने सुझाव में कहा कि यह एक अच्छी कार्य योजना है इस विषय पर गंभीरता से कार्य करना होगा। वही महापौर परिषद के सदस्य संदीप निरंकारी एवं लालचंद वर्मा तथा व्यापारियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आज की बैठक के अनुसार आगामी कार्य योजना तैयार की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा कुछ दिनों से शहर को सुव्यवस्थित करने के लिए अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है, लेकिन इनके व्यवस्थापन के बारे में भी भिलाई निगम गंभीरता पूर्वक विचार कर रहा है और इन्हें सुव्यवस्थित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इसीलिए पथ विक्रेताओं के संरक्षण हेतु नगर विक्रय समिति का एक दिवसीय कार्यशाला आज आयोजित किया गया। इस योजना के तहत पथ विक्रेताओं को सुव्यवस्थित करने के लिए वेंडिंग जोन तैयार किया जाएगा, जहां पथ विक्रेता अपना खुलकर व्यवसाय कर सकेंगे, यही नहीं इन पथ विक्रेताओं को विशिष्ट पहचान पत्र नगर निगम भिलाई के द्वारा प्रदान किया जाएगा। वेंडिंग एवं नान वेंडिंग जोन बनने से ट्रैफिक दबाव कम होगा, दुर्घटनाओं की संभावनाओ से भी राहत मिलेगी और शहर व्यवस्थित दिखेगा। आज की कार्यशाला में प्रमुख रूप से निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, सभापति गिरवर बंटी साहू, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, महापौर परिषद के सदस्य एकांश बंछोर, नेहा साहू, मन्नान गफ्फार खान, चंद्रशेखर गवई, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, केशव चौबे, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, रामानंद मौर्या, जालंधर सिंह, पार्षद के जगदीश, महेश वर्मा, रविशंकर कुर्रे, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की नोडल अधिकारी प्रीति सिंह, सभी जोन आयुक्त, चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी, व्यापारी गण, नगर विकास समिति के सदस्य, सहायक राजस्व अधिकारी आदि मौजूद रहे।

एमआईसी की बैठक में कमजोर वर्ग के सर्वे सूची का अनुमोदन कर सामान्य सभा में भेजे जाने का लिया गया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग में डाटा सेंटर में महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक रखी गई जिसमें छत्तीसगढ़ क्वाटीफ़ायबल द्वारा आयोग के निर्देश पर नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्रांतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगो का सर्वेक्षण किया गया! यह सर्वेक्षण सितम्बर 2021 से अप्रैल 2022 तक करने के पश्चात् 5 मई से 13 मई 2022 तक सूची का प्रकाशन कर दावा आमंत्रित की गई थी।

जिसमें कुल 08 दावा प्राप्त हुए है, जिनका निराकरण कर अंतिम सूची का अनुमोदन हेतु आज एम.आई.सी.की बैठक में सूची को रखी गई। एमआईसी द्वारा सूची की अनुमोदन की अनुशंसा कर सामान्य सभा में रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

ज्ञात हो कि उक्त सर्वे सूची के संबंध में निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव एवं उपस्थित एम.आई.सी.के सदस्यो को विस्तृत जानकारियां दी तथा अवलोकन कराया गया । जिसके पश्चात् एम.आई.सी.द्वारा उक्त सूची को अनुमोदन कर सामान्य सभा में भेजे जाने की स्वीकृति दी गई । बैठक में एम.आई.सी. सदस्य अब्दूल गनी, ऋषभ जैन, भोला महोबिया,दीपक साहू,संजय कोहले,मनदीप भाटिया, हमीद खोखर,जयश्री जोशी सत्यवती वर्मा, जमुना साहू, शंकर ठाकुर,कार्यपालन अभियंता राजेश पांडेय,सहायक अभियंता आरके जैन,शंकर दयाल शर्मा, नोडल अधिकारी प्रकाश चंद थावनी,लेखा अधिकारी आरके बोरकर,शरद रत्नाकर सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स कोचिंग कैम्प-2022 का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा खदान समूह के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह द्वारा दिनांक 20 मई, 2022 से 13 जून, 2022 तक ग्रीष्मकालीन स्पोर्ट्स कोचिंग कैंप का आयोजन एथलेटिक्स ट्रैक एंड फील्ड, बैडमिंटन, क्रिकेट, वॉलीबाल, टेबल टेनिस एवं वेट लिफ्टिंग खेलों में किया। इस आयोजन में बीएसपी कर्मचारियों, टाउनषिप तथा राजहरा क्षेत्र के 271 बच्चों ने कोचिंग कैंप में भाग लिया तथा 229 एथलीटों ने सफ्लतापूर्वक अपना ट्रेनिंग-कोचिंग पूर्ण किया।

लौह अयस्क खदान समूह के कार्मिक विभाग के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह दल्ली राजहरा द्वारा राजहरा खदान में सन् 1973 को प्रथम ग्रीष्मकालीन स्पोर्ट्स कोचिंग कैम्प प्रारंभ किया गया था। दल्ली राजहरा के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह ने इस वर्ष अपना ग्रीष्मकालीन कोचिंग कैम्प का गोल्डन जुबली वर्ष मनाया। ग्रीष्मकालीन स्पोर्ट्स कोचिंग कैम्प का समापन समारोह मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी श्री तपन सूत्रधार के मुख्य आतिथ्य व मार्गदर्शन में राजहरा क्रिकेट स्टेडियम दल्ली राजहरा में संपन्न हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के सफ्ल आयोजन के लिये कार्मिक विभाग के सभी अधिकारियों को बधाई दी। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी श्री तपन सूत्रधार ने आगामी समर कोचिंग कैम्प में पारंपरिक खेलों तीरंदाजी, कबड्डी जैसे आदि खेलों को शामिल करने की मंशा जाहिर की। इस समापन समारोह में छः खेलों के प्रशिक्षकों को गिफ्ट व प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। 21 दिनों के इस कोचिंग कैम्प में सभी बच्चों को प्रशिक्षण पश्चात चना वा गुड़ पौष्टिक आहार स्वरूप प्रदान किया गया। आधुनिक प्रशिक्षण हेतु सभी खेलों के ट्रेनी को खेल सामग्री भी उपलब्ध करायी गयी।

सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्था का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में समय समय पर शिविर आयोजित करने तथा आम जनमानस को रक्तदान के लिए प्रेरित करने जैसे पुनीत कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्था का सम्मान दिया गया7 छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी में सन 1984 में स्थापित सेंट थॉमस महाविद्यालय विगत 38 वर्षों से शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सदैव अपना कीर्तिमान स्थापित करते आया है। रायपुर स्थित राजभवन में छत्तीसगढ़ की महामहिम राजयपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने महाविद्यालय को इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. जी. रोईमोन ने पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नही है और यदि आप एक यूनिट रक्तदान करते हैं तो इससे आप 4 लोगों को जीवनदान दे सकते हैं इसलिए हम सभी को अपनी सुविधा एवं सेहत का ध्यान रखते हुए नियमित अंतराल पर रक्तदान ज़रूर करना चाहिए। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष, अमृत खलखो, मुख्य सचिव प्रणब सिंह एवं राज्य स्तरीय सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रशासक हिस ग्रेस डॉ जोसेफ मार डायनोशियस ने सेंट थॉमस महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। महाविद्यालय के प्रशासक रेवरेंट फादर डॉ जोशी वर्गीस एवं अन्य सभी कर्मचारियों ने इस सम्मान के लिए एक दूसरे को बधाइयाँ दी।

नाला सफाई का काम अंतिम पड़ाव पर, जिन क्षेत्रों में कभी नहीं हुई थी सफाई उन क्षेत्रों में भी पहुंचा सफाई अमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत बारिश पूर्व नाला सफाई का वृहद अभियान चलाया जा रहा है ताकि बारिश में कहीं भी जलजमाव की स्थिति न बने। महापौर नीरज पाल के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला बारिश का पानी बिना कोई अवरोध के गंतव्य की ओर निकल जाए इसके लिए नालों से झिल्ली, कंटीली झाड़ियों, पन्नी व मलबे को जेसीबी, चैन माउंटेन आदि से सफाई करने में जुटे हुए है। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने बड़े नाले व नाली की सफाई व्यवस्था का लगातार मौके पर पहुंचकर मॉनिटरिंग कर रहे है। जहां नालों की सफाई कभी नहीं हुई वहां इस बार सफाई अभियान में कई वर्षों से बंद नालियों से भी जाम मलबे को निकालकर सफाई किया जा रहा है, वहीं छोटे नाली का मैनुअली सफाई कराया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत बारिश के पानी से कहीं भी जलभराव की स्थिति न हो इसके लिए निगम का स्वास्थ्य अमला जुटा हुआ है। सभी वार्डों के छोटे बड़े नाली की सघन स्तर पर सफाई की जा रही है ताकि पानी बिना कोई अवरोध गंतव्य की ओर निकल सके। निगम का सफाई कर्मी वार्डों के भीतर छोटी नाली से पानी निकासी करने झिल्ली, पन्नी, झाड़ियां व जलकुंभी के कचरे को निकालने में जुटे रहे। बारिश पूर्व सभी नाली व बड़े नालों की चैन माउंटेन एवं जेसीबी की सहायता से शीघ्रता से किया जा रहा है।

भिलाई निगम क्षेत्र में बारिश के पानी को सुगमता से तालाब व बड़े नालो तक बिना अवरोध पहुंचाया जा सके इसके लिए निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बड़े नाली व वार्डों के भीतर जल निकासी वाले सभी नाली की सफाई कार्य में तेजी लाए। बारिश का पानी से कहीं भी जलभराव की स्थिति न हो और जल का प्रवाह तीव्र गति से बना रहे इसके लिए निगम के सफाई कर्मी वार्डों के जाम नाली से झिल्ली पन्नी, जलकुंभी एवं अन्य कचरो को निकालकर साफ किया जा रहा है।

श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र में चला महाअभियान

तालाब के पानी का टीडीएस 3500 आने पर ट्रीटमेंट करने का आयुक्त ने बनाई योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रूआबांधा स्थित झिरिया तालाब का पानी उपयोग करने लायक नहीं होने की सूचना मिलते ही आयुक्त आशीष देवांगन गंभीर नजर आए। उन्होंने 8 घंटे से अधिक समय तक शुक्रवार को तालाब में खड़े रहे और ट्रीटमेंट करने की योजना को मूर्त रूप देने कवायद की। आयुक्त ने जनस्वास्थ्य विभाग के 200 कर्मचारियों से न केवल तालाब से गंदगी निकलवाया, बल्कि उसका ट्रीटमेंट करने समय सीमा का निर्धारण किया।

उल्लेखनीय है कि रिसाली नगर पालिक निगम के सबसे बड़े तालाब में से एक झिरिया तालाब रूआबांधा का पानी उपयोग के लायक नहीं है। पानी में घुले हुए अशुद्ध लवणों की मात्रा इतनी है कि वह उपयोग के लायक नहीं है। टीडीएस मापने पर 350 से अधिक होने का खुलासा हुआ है। आयुक्त आशीष देवांगन ने इसे गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को सुबह 7 बजे तालाब पहुंचे और प्लानिंग कर टीडीएस को कम करने कार्य योजना तैयार कर आवश्यक निर्देश दिए। दो दिन बाद तालाब में चूना व केमिकल का छिड़काव किया जाएगा। तालाब का जायजा स्वास्थ्य विभाग प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी व समान्य प्रशासन विभाग के चन्द्रभान ठाकुर, पार्षद टिकम साहू व पूर्व एल्डरमेन प्रेमचंद साहू ने भी लिया।

प्राथमिकता के आधार पर कराया काम

निगम क्षेत्र में नियमित सफाई अभियान के बाद आयुक्त ने निगम के लगभग 200 सफाई कर्मचारियों को तालाब में बुलवाया। उन्होंने ने निर्देश दिए कि तालाब में एक साथ कार्य करने की आवश्यकता है। बारिश शुरू होने से पहले न केवल तालाब में भरे दुषित पानी को बाहर निकालना होगा, बल्कि किनारे जमें काई और अन्य कचरों को निकालना आवश्यक है। आयुक्त के आहव्हन पर 200 कर्मचारी लगातार देर रात तक कार्य करते रहे।

पानी निकालने 15 एच.पी. का लगाया पंप

तालाब के पानी को कम करने व बारिश के पहले तालाब किनारे जमे कचरे को निकालने आयुक्त ने निर्देश दिए है। बचे हुए पानी का ट्रीटमेंट किया जाएगा। तालाब में बारिश का साफ पानी भरेगा। दुषित पानी को निकालने 15 एचपी का पंप लगाया गया है। इससे स्वमेव टीडीएस कम होगा।

मंत्री के निर्देश को लिया गंभीरता से

खास बात यह है कि 11 जुलाई को दुर्ग ग्रामीण विधायक व प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान तालाब का निरीक्षण किया था। उन्होंने दीपावली व छट पर्व के बाद तालाब गहरीकरण व संपूर्ण सफाई के निर्देश दिए है। उन्होंने उसके पहले पानी को शुद्ध करने निर्देश दिए है। मंत्री के इस निर्देश को आयुक्त ने गंभीरता से लेते हुए कार्य योजना तैयार की है। वर्तमान में हम पानी का टीडीएस कम करने ट्रीटमेंट कर रहे है। तालाब का पानी थोड़ा कम कर रहे है, ताकि किनारे की गंदगी को कम कर सके।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950